കോഴിക്കോട് കോർപ്പറേഷൻ സമഗ്ര വിദ്യാഭ്യാസ പദ്ധതി വിജയോത്സവം

കൈപ്പുസ്തകം

ഹിന്ദി

ക്ലാസ് -10

തയ്യാറാക്കിയത്

അജി ആർ.
ഗവ: വി.എച്ച്.എസ്.എസ്. പയ്യാനക്കൽ

ഹരീത കെ.
ഗവ: എച്ച്.എസ്.എസ്. മെഡിക്കൽ കോളേജ് കാമ്പസ്

റജീനാ ഹസ്സൻകോയ
ഗവ: എച്ച്.എസ്.എസ്. ആഴ്ചവട്ടം

ഷനോജ് കുമാർ എൻ.കെ.
ഗവ: വി.എച്ച്.എസ്.എസ്.ഗേൾസ് നടക്കാവ്

കെ.സി. പ്രകാശൻ
ഗവ: ഗണപത് മോഡൽ ഗേൾസ് എച്ച്.എസ്.എസ്. ചാലപ്പുറം

मूल्यांकन सूचक

पटकथा

- दृश्य
  - स्थान और समय
  - परिवेश
- आभास
- पात्र
  - वेशभूषा
  - चाल-चलन
  - हाव-भाव
  - आयु
  - संवाद (स्वाभाविक और पात्रानुकूल)
- संवाद

डायरी

- समय / काल की सूचना
- घटना पर अपना विचार
- संवेगात्मक / भावात्मक प्रस्तुति
- आत्मनिष्ठ शैली
- प्रभाव पूर्ण प्रसंगों का उल्लेख
- उचित भाषा
- विराम चिह्न ,अर्ध विराम, आश्चर्य चिह्न आदि का सही उपयोग
- वाक्यों का प्रयोग (सरल, संक्षिप्त)

वार्तालाप

- प्रसंगानुकूल
- शैली - वार्तालाप की शैली
- वाक्य या वाक्यांश
- विचार विनिमय के अनुकूल
- शुद्ध भाषा (सरल और प्रसंग के अनुकूल)

रपट

- वस्तुनिष्ठ
- रपट की शैली
- शुद्ध भाषा का प्रयोग
- संक्षिप्तता
- अपना दृष्टिकोण
- शीर्षक

लेख

- विषयानुकूल
- विचारों में क्रमबद्धता
- शुद्ध भाषा का प्रयोग
- शीर्षक

पत्र

- प्रसंगानुकूल पत्र
- पत्र की शैली -आत्म निष्ठ
- स्थान, दिन, दिनांक
- स्वाभाविक भाषा
- भेजनेवाले तथा मिलनेवाले का पता

आस्वादन टिप्पणी / विश्लेषणात्मक टिप्पणी

- भूमिका - कवि , कविता, विषय का परिचय, शीर्षक का औचित्य
- विश्लेषण — भाषा, शैली, संरचना (विशेष प्रयोग , अनुप्रास , गीतात्मकता)
- उपसंहार — प्रासंगिकता, संदेश, अपना दृष्टिकोण
- शीर्षक

पोस्टर

- आकर्षकता (रूप विधान, उचित वर्तनी)
- संक्षिप्त भाषा शैली
- कार्य / संदेश का वस्तुनिष्ठ उल्लेख
- उचित चित्र
- तिथि ,समय और स्थान का उल्लेख

इकाई — 1

अधिगम उपलब्धियाँ :

- कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- कहानी की घटनाएँ चुनकर लिखता है ।
- कहानी के आधार पर पटकथा लिखता है।
- परसर्ग युक्त वाक्यों को चुनकर लिखता है ।
- टिप्पणी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- कविता पर लिखी टिप्पणी की आकलन सूची तैयार करता है ।
- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है ।
- कविता के प्रतीकों को पहचानकर लिखता है ।

बीरबहूटी

प्रक्रियाएँ -

*** अध्यापिका 3 पहेलियाँ एक -एक करके प्रस्तुत करती है ।**

जैसे :-

हवा में उड़ता
रंगीन गोला
बच्चों का प्यारा खिलौना

काला पहाड़
जिंदा पहाड़
चार पैरों वाला पहाड़

रंग – बिरंगी दिखती हूँ
फूल – फूल पर जाती हूँ
शहद हमेशा पीती हूँ ।

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे -

गुब्बारा , हाथी , तितली

तीनों शब्दों को अध्यापिका श्याम पट पर सूची बद्ध करती है ।

गुब्बारे दल पाठ भाग - " बादल बहुत ..... स्याही भरते थे ।"
हाथी दल पाठ भाग - " पैन में कुछ .....नज़र नहीं मिल पाई।"
तितली दल पाठ भाग - " दीपावली की .....चोर का निशान था ।"

* वाचन करता है ।
* गुब्बारे दल से कहानी की घटनाएँ चुनकर लिखने को कहती हैं ।

जैसे :-

- बादल बहुत बरस लिए थे ।
- खेतों में बारिश की हरियाली की गंध घुली हुई थी ।
- बेला और साहिल बीरबहूटियों को खोजने लगे ।
- स्कूल में पहली घंटी लग गयी ।
- बेला और साहिल पैन में स्याही भरवाने दूकान गए ।

* **अध्यापिका प्रश्न पूछती हैं ।**

जैसे :-

? पहले वाचन पाठ भाग के प्रमुख पात्र कौन- कौन हैं ?
? यहाँ किस मौसम का चित्रण हुआ है ? किस अंश से यह आपको पता चलता है ?
? साहिल और बेला घर से जल्दी क्यों निकलते थे ?
? यहाँ बीरबहूटी की क्या - क्या विशेषताएँ बतायी गई हैं ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे :-

- इस अंश के प्रमुख पात्र है बेला और साहिल।
- यहाँ बारिश के मौसम का चित्रण हुआ है ।

  बादल .....पेड़ों के तने अब भी गीले थे ।
- बेला और साहिल को बीरबहूटियों से मिलना होता था । इसलिए जल्दी निकलते थे ।
  बीरबहूटियाँ सुर्ख, मुलायम, गदबदी, चलती - फिरती खून की बूँदें आदि विशेषताएँ भरी थी ।

अध्यापिका निम्न लिखित तालिका पेश करती हैं ।

पात्र	आयु	वेषभूषा	समय	स्थान

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

पात्र	आयु	वेषभूषा	समय	स्थान
बेला	10 साल	स्कूल यूनिर्फोम और पीठ पर बस्ते	सुबह 9 बजे	खेतों से भरा इलाका
साहिल	10 साल	स्कूल यूनिर्फोम और पीठ पर बस्ते	सुबह 9 बजे	खेतों से भरा इलाका

" बीरबहूटी " पटकथा छात्र तौयार करते हैं ।

बीरबहूटी - पटकथा

सीन : 1

कस्बे से स्कूल जानेवाले रास्ते के बगल का खेत । सबेरे 9 बज गए हैं ।

[खेतों से भरा इलाका । दूर — दूर तक खेत दिख रहे हैं । 10 साल के बच्चे बेला और साहिल खेत की मिट्टी में कुछ खोज रहे हैं ।उनके पीठ पर बस्ता है । वेश से लगता है दोनों स्कूल जा रहे हैं ।]

साहिल : बेला , देखो इस बीरबहूटी का रंग तेरा लाल रिबन जैसा है ।

बेला : दिखाओ तो .....। हाँ , ठीक ही कहा तूने ।

[स्कूल से घंटी बजने की आवाज़ आती है ।]

साहिल : (घबराकर) तुमने कुछ सुना बेला ?

बेला : (जल्दबाजी में) हाँ, सुना साहिल । पहली घंटी लग गयी हैं । चलो - चलो देर हो जाएगी ।

साहिल : बेला रुक , मुझे पैन में स्याही भरवानी है ।

बेला : तू क्या बोलता है यार ? समय बहुत कम है । कहीं माटसाहब के आगे हो गए तो ?

साहिल : नहीं बेला , स्कूल के नज़दीक के दूकान से ही भरवानी है ।

बेला : तो, चलो न साहिल ।

[खेत की ज़मीन से उठकर दोनों बच्चे स्कूल के रास्ते पर आगे बढ़ते हैं ।]

- **अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न पूछती है ।**

  जैसे :-

  ? " बादल को देखकर घड़े को ढुलाना नहीं चाहिए " - इसका क्या मतलब है ?
  ? दूकानदार ऐसा क्यों कहा ?
  ? सुरेंदर माटसाब कैसे आदमी थे ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

  जैसे :-

  ➢ बादल को देखकर घड़े को ढुलाना नहीं चाहिए क्योंकि बादल हर समय बारिश नहीं लाता ।

हवा बादल को कभी - कभी उड़ा देने की संभावना है । बारिश नहीं हुआ तो घड़ें में पानी लाना पड़ेगा ।

- दूकानदार का कहने का मतलब है - साहिल नया स्याही भरवाने केलिए पैन में बची स्याही छिड़क दिया । पर दूकान में स्याही बोतल बिलकुल खाली होने से साहिल का काम बादल को देखकर घड़े को ढुलाने की तरह बन गया ।
- सुरेंदर माटसाहब बहुत क्रूर व्यक्ति थे।

- **छात्रों से बेला की ड़ायरी लिखने का संदर्भ प्रसंग बनाती हैं।**

? " वह, साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी ।" गणित अध्यापक सुरेंदरजी के द्वारा अपमानित उस दिन की बेला की डायरी कल्पना करके लिखिए ।

जैसे :-

मंगलवार
11 दिसंबर 2000

उफ! न जाने आज कैसा दिन था । एकदम खराब । दु:ख और शर्मिंदगी से सिर उठाना भी असंभव हो गया था । सुरेंदर माटसाहब के गणित का कालांश हर बच्चे को एक डरावना सपना था ।

हर बच्चे सुरेंदर माटसाब के पिरीड के दो मिनट पहले ही अपनी - अपनी जगहों पर आकर बैठ जाते । सुरेंदर माटसाब इसी पिरीड़ में काँपी जाँचते थे । ज़रा सी गलती पर काँपी इधर — उधर फेंक देते थे । या झापड़ मारने लगते थे । उनका हाथ चलाना शुरू होता तो रुकना भूल जाता था ।

अक्षर लिखने में हमेशा मैं गड़बड़ी करती हूँ । माँ तो खूब अच्छी तरह सिखाती थी । पर मैं जल्दी भूल भी जाती हूँ । गलती आज माटसाब के नजर में पड़ी । उन्होंने अपना पंजा मेरे बालों में फँसाया । असल में यह एक बड़ी गलती है ही नहीं ।

माटसाब इतना क्रूर कैसे बन गया । मेरा हात देखकर साहिल भी ड़र गया । माटसाब मेरा काँपी को मेरे बैठने की जगह पर फेंक कर बैठने की आज्ञा दी । मुझे इतना अपमान हुआ कि सिर उठाना भी मुशकिल लगी । साहिल मेरा सब कुछ है।वह मुझे बहुत अच्छा लगता है, और मैं उसको भी ।

शरम के मारें उससे नज़र नहीं मिला पाई । एक तरफ सिर दर्द हो रही है, लगती है अब भी माटसाब का हाथ मेरे सिर पर है । नींद मुझे बिस्तर की तरफ बुलाती है । कल तक साहिल इन बातों को भूले तो कितना अच्छा होगा।हे भगवन ,मुझे थकान महसूस होती है ।सोने जाती हूँ।

- **छात्र सुरेंदर मास्टर साहब का चरित्र-चित्रण लिखता है ।**

जैसे

चरित्र-चित्रण - " सुरेंदर माटसाब "

सुरेंदर माटसाब बेला और साहिल के स्कूल के गणित का अध्यापक है । सब बच्चे उनका नाम सुनते ही और दूर से देखने पर काँपना शुरू करते थे । छात्र घंटी बजने के दो मिनट पहले ही अपने स्थान पर आ बैठते थे । वह बीच-बीच में गणित का काँपी जाँचता था। ज़रा-सी गलती पर भी झापड़ मारना , बाल में पंजा फँसाना , काँपी फेंकना आदि उनकी बुरी आदतें थीं । भयभीत होकर छात्र क्लास में साँस पकड़कर बैठते थे । छात्रों को अपमान करने में सुरेंदर माटसाब को तनिक भी हिचक नहीं थी बच्चों की गलतियों को माफ करना भी उनकी बस की बात नहीं थी । बच्चे उनसे प्यार बिलकुल नहीं करते थे ।

- **अध्यापिका निम्न प्रश्न पूछती हैं ।**

जैसे :-

? साहिल , बेला को खेलने से मना क्यों करता है ?
? गाँधीजी की मूर्ति क्यों कुछ ज़्यादा मुसकुराई होगी ?
? बेला की आँखों से आँसू क्यों आ रहे थे ?
? यह बारिश के पहले की बारिश का एक दिन था । क्यों ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- बेला को ओर चोट लगने का डर था इसलिए साहिल, बेला को खेलने से मना करता है
- गाँधीजी को बच्चे प्यारे थे । बेला और साहिल का भोलापन देखकर ,दोस्ती जानकर , खूब खुश होकर और समझदार होकर मुस्कुरा रही है ।
- बेला की आँखों से आँसू इसलिए आये कि वह साहिल से अलग होने की दर्द में थी । वह दर्द से बारिश आने को डेढ़ महीना बाकी था । बेला और साहिल अलग हो रही थी । दोनों एक दूसरे को खोना नहीं चाहते थे । बेला रोयी । साहिल अपने आँसू छिपाकर मन ही मन रोया । आँखें एकदम लाल हो गयी थी । यह जुदाई का दिन बारिश के पहले एक बारिश का दिन था ।

अध्यापिका श्यामपट पर यह प्रश्न लिखती है ।

जैसे :-

? बेला और साहिल जुदा हो गए । बेला राजकीय कन्या विद्यालय में पढ़ रही थी और साहिल अजमेर में । अपनी स्कूली अनुभवों का वर्णन करते हुए साहिल के नाम पर बेला का पत्र कल्पना करके लिखें ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -**

जैसे :-

मालगाव,
10.12.2001.

प्रिय मित्र साहिल ,

तुम कैसे हो ? मैं ठीक हूँ । घर से माँ - बाप के पत्र आते होंगे । अगली बार मेरा नमस्ते उनसे कहना साहिल ।

कैसे हो तुम्हारा नया स्कूल ? पसंद आया ? नये दोस्तों से मिला ? कोई नयी सहेली मिली ?

मुझे हमेशा तुम्हारी याद आती रहती है । वह दिन जब मैं तुम्हारे साथ खेलती थी । कितने समय तक बीरबहूटियों को खोजते रहते थे । याद है उन बीरबहूटियों को। सुर्ख , मुलायम, और चलती - फिरती खून की प्यारी बूँद । उधर हमारे गणित के सुरेंदर माटसाब के जैसे कोई अध्यापक है ? पढ़ाई कैसे चलता है ?

हमारे कन्या विध्यालय मुझे पसंद नहीं आयी साहिल । तेरे बिना कुछ भी अच्छी नहीं लगती । कक्षा में 50 छात्र हैं । अध्यापिका का नाम रमणी है । हाँ यह ठीक है , हमारी पिटाई नहीं करती । स्कूल में लाइब्ररी बहुत अच्छा है । खाली समय में वाचन और खेलकूद में समय काटती हूँ ।

स्कूल में बहुत अच्छा बगीचा है। कई तरह के फूल है । जानते हो, रंग बिरंगी तितलियाँ आती हैं । छोटी - छोटी चिड़ियाँ शहद पीने आती हैं । ये सब तेरी याद दिलाती हूँ।

साहिल, छुट्टियों में तुम घर आओगे तो जरूर मिलना । हम खूब खेलेंगे । तुमसे मिलने की इच्छा से इस चिट्ठी के जवाब की इंतज़ार करती हूँ ।

हस्ताक्षर
तुम्हारी बेला

सेवा में,

साहिल कुमार,
अजमेर बोयस स्कूल होस्टल,
अजमेर,
राजस्थान (राज्य)
पिन -704046

अध्यापिका अभ्यास केलिए प्रश्न देती हैं-

जैसे :-

? बेला के सिर पर सफेद पट्टी बाँधी थी । सारा छात्र मजाक उडाते थे ।इस वक्त साहिल और बेला के बीच का वार्तालाप / बातचीत लिखिए ?

? बेला और साहिल की दोस्ती पर एक टिप्पणी लिखें ।

अध्यापिका निम्न लिखित वाक्य श्याम पट पर लिखती है-

- बेला के पाँव अब भी काँप रहे हैं ?
- स्याही की बोतल अभी - अभी खाली हो गयी है ?
- पानी की बूँदें अटकी हुई थीं

इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें ।

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे :-

- आपसी संबंध सूचित करता है ।

अध्यापिका कहती हैं -

जैसे :-

इन रेखांकित शब्दों को परसर्ग कहते हैं । यानी का , के, की - संबंध सूचक परसर्ग है । इन परसर्गों से दो शब्दों का पारस्परिक संबंधों की सूचना मिलती है ।

छात्रों से ऐसे परसर्ग युक्त वाक्य पाठ भाग से लिखने को कहती हैं ।

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे :-

- मेघों की छायाओं में ।
- पेड़ों के तने अब भी गीले थे ।
- मूँगफली के हरे खेतों में ।
- बाजरे के लंबे पतले पातों ।
- दीपावली की छुट्टियाँ ।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

- **अध्यापिका एक कार्टूण दिखाती हैं ।**
- जैसे :-

? पूछती है - " पाद टिप्पणी " के रूप में इनमें कौन- सा ज्यादा समीचीन है ?

मैं उसकी जाति जानता हूँ ।

मैं उस व्यक्ति को जानती हूँ ।

मैं उसकी हताशा को जानता हूँ ।

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -

जैसे :-

- मैं उसकी हताशा को जानती हूँ ।

छात्र पाठ-पुस्तक टिप्पणी का वाचन करते हैं।

अध्यापिका पूछती हैं-

जैसे :-

? जानने की हमारी जानी - पहचानी रूढ़ी को तोड़ देते हैं । जानी-पहचानी रूढ़ी का क्या मतलब है ?
? " जानना " नरेश सक्सेना कैसी व्याख्या दी है ?
? कविता के शिल्प पक्ष की किन -किन विशेषताओं पर टिप्पणी में चार्चा की है ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -

जैसे :-

- व्यक्ति के नाम, पते, उम्र , ओहदे या जाति ही किसी को पहचानने की रूढी होती हैं ।
- किसी दूसरे को जानना जाति ,उम्र, नाम, पता, और ओहदे को जानना है । पर असल में " जानना " का मतलब है जीवन के असलियत को जानना । किसी का दु:ख , निराशा, असहायता और कठिनाइयों को जाने बिना जानना पूरा नहीं होता ।
- कविता में शिल्प पक्ष की बारिक कारीगरी हम देख सकते हैं । इसमें " जानना " शब्द किसी लोकगीत की स्थायी की तरह बार-बार आती है । इस कविता में गीतात्मकता का बोध ज़्यादा होता है ।

■ **छात्रों से विनोदकुमार शुक्ला की कविता पढने को कहती है -**

अध्यापिका ये प्रश्न पूछती हैं -

? कविता के भाव-पक्ष और शिल्प पक्ष पर नरेश सक्सेना के निरीक्षणों का समर्थन करने वाली पंक्तियाँ कौन - कौन सी हैं ?
? " हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था " शीर्षक की सार्थकथा पर टिप्पणी लिखिए ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -

जैसे :-

- कविता की आठवीं पंक्ति - ' मुझे वह नहीं जानना था ' , और नवीं पंक्ति - ' मेरे हाथ बढाने को जानता था ' ।
- कविता का शीर्षक " हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था " बिलकुल समीचीन है । यह शीर्षक कविता का आशय द्योतक करने लायक है । हताशा को जानना ही कविता का मुख्य आशय है।

टूटा पहिया

- **अध्यापिका एक चार्ट पेश करती हैं -**

जैसे :-

विलोम शब्द

शोषक	x	शोषित
उतार	x	चढ़ाव
अच्छाई	x	बुराई
अमीरी	x	गरीबी
उच्च	x	नीच
शत्रुता	x	मित्रता
आचार	x	अनाचार

- अध्यापिका पूछती है -
  ? इन शब्दों का सीधा संबन्ध किससे हैं ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -

जैसे :-

- समाज संबंधी
- छात्र " टूटा पहिया " - कविता का वाचन करते हैं ।

- **अध्यापिका ये प्रश्न पूछती हैं -**

जैसे :-

? यह कविता किस पौराणिक प्रसंग की याद दिलाती है ?
? " अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी ....." किसके बारे में यह कहा गया है ?
? " अकेली निहत्थी आवाज़ " किसका विशेषण है ?
? कविता की समकालीनता पर प्रकाश डालने वाली पंक्तियाँ कौन — सी है ?
? " इतिहासों की सामूहिक गति
सहसा झूठी पड जाने पर
क्या जाने
सच्चाई टूटे पहियों का आश्रय ले ।"

इन पंक्तियों के ज़रिए कवि क्या बताना चाहते हैं ?

?इस कविता के प्रतीकात्मक शब्द कौन — कौन सा है ?

? " टूटा पहिया " - किसका प्रतीक है ?

? अभिमन्यु किसका प्रतीक है ?

? महारथी किसका प्रतीक है ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -

जैसे :-

- यह कविता महाभारत युद्ध के अवसर पर अर्जुन के वीर पुत्र अभिमन्यु ने अधर्म के पक्ष में लड़नेवाले योद्धाओं को चुनौती देता हुआ चक्रव्यूह में प्रवेश करके वीर मृत्यु प्राप्त करने वाले प्रसंग की याद दिलाती है ।
- महाभारत युद्ध में कई वीर योद्धाएँ अपने को अधर्म के पक्ष में खड़ा करते हैं और नीति विरुद्ध युद्ध भी करते थे ।
- ' अकेली निहस्थी आवाज ' - अभिमन्यु का है । वह महारथी लोग असहाय बालक अभिमन्यु का आवाज कुचल देना चाहता है ।
- कविता की समकालीनता पर प्रकाश डालने वाली पंक्तियाँ -
  " इतिहासों की सामूहिक गति
  सहसा झूठी पड़ जाने पर
  क्या जाने
  सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले ।"
- कवि का मतलब है पहिया यदि टूटा है तो भी उसे फेंको मत । यह संसार एक दुरूह चक्रव्यूह है । बडे - बडे महारथी असत्यों और अन्यायों की अक्षौणी सेनाओं को खडे करेंगे । उन महारथियों के कारण इतिहास की गति झूठी पड़ जाती है , तो सच्चाई को टूटे पहिए का सहारा लेना पडेंगा । इसलिए टूटे पहिए की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
- कविता के प्रतीकात्मक शब्द ये हैं मैं / टूटा पहिया ,अभिमन्यु, महारथी आदि.....।
- टूटा पहिया- सहारे, शक्ति और उपेक्षित लघु मानव का प्रतीक है ।
- अभिमन्यु - न्याय मित्र, वीर और साहसी का प्रतीक है ।
- महारथी - लोग अन्याय, असत्य और अधर्म का प्रतीक है ।

छात्र कविता पर विश्लेषणात्मक टिप्पणी लिखते हैं -

जैसे :-

टूटा पहिया - विश्लेषणात्मक टिप्पणी

" टूटा पहिया " कविता धर्म भारती की कविता संग्रह " सात गीत वर्ष " से चुनी गई है । " टूटा पहिया " लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है , जिसे बेकार समझकर फेंक दिया गया है । यह एक प्रतीकात्मक रचना है । इस प्रतीक को कवि ने " महाभारत " के कथानक से लिया है । अभिमन्यु ने चक्रव्यूह में अकेले ही प्रवेश किया । कौरवों ने उसे घेर कर उसके शस्त्रास्त्र नष्ट कर डाले । उसने रथ के टूटे पहिए को अस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया ।

धर्मवीर भारती जी का कहना है कि टूटा हुआ पहिया भी संदर्भ आने पर उपयोगी हो सकता है । इसलिए उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए । महाभारत युद्ध में कई वीर योद्धा अधर्म के पक्ष में लडने केलिए बाध्य हो गए थे । उनको चुनौती देता हुआ अभिमन्यु ने चक्रव्यूह में प्रवेश किया । असहाय बालक अभिमन्यु उन महारथियों का मुकाबला टूटे पहिए के जरिए किया ।

महाभारत की इस घटना को याद कराते हुए कवि कहते हैं कि इस प्रकार की अधार्मिक घटना आज भी संभव है । बदलती सामूहिक हालत कभी-कभी टूटे पहिए को सहारा लेने केलिए विवश हो सकता है । अर्थात टूटे हुए पाहिए को तुच्छ समझकर न फेंकने का आह्वान करते हैं । कभी-कभी बहुत निस्सार वस्तु भी सान्त्वना देने में परिपूर्ण है ।

धर्मवीर भारती नई कविता के सशक्त कवि है।नई कविता में उपेक्षित सामान्य मानव का प्रतीक है। उसकी प्रतिष्ठा के लिए पौराणिक मिथक का आश्रय लिया है । यह कल्पना कविता को सुन्दर बनाया है।

अभ्यास केलिए प्रश्न -

? "टूटा पहिया " कविता के निम्न पांक्तियों का भावार्थ लिखिए ----

" तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ । "

अपठित कविता

माँ

माँ अगर तुम न होती तो मुझे समझता कौन
काँटों भरी इस मुश्किल राह पर चलना
माँ अगर तुम न होती तो मुझे लोरी सुनाता कौन ....
खुद जगाकर सारी रात चैन की नींद सुलाता कौन
माँ अगर तुम न होती तो
मुझे चलाना सिखाता कौन .....

काँटा - മുള്ള് , राह — വഴി , लोरी - താരാട്ട്
जगाकर - ഉണർത്തിയിട്ട് , चैन — സ്വസ്ഥമായ

? निम्न लिखित आशय वाली पांक्ति चुनकर लिखें ?
" माँ जिंदगी की कठिनाईयों की रास्ते पर चलाना सिखाती है "

?कविता में कौन — सा शब्द ' स्वयं ' का अर्थ देता है ?
? कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखें ?

छात्र स्वयं उत्तर लिखें ।

इकाई — 2

अधिगम उपलब्धियाँ :

- संस्मरण पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- अपना अनुभव लिखकर प्रस्तुत करता है ।
- जीवनी का अंश पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- घटना पर रपट तैयार करता है ।
- भविष्यत काल के प्रयोग करता है ।

ऊँट बनाम रेलगाड़ी

प्रक्रियाएँ

- अध्यापिका यह ब्रॉशर पेश करती है ।

सत्यजीत राय फिल्म प्रदर्शनी
6-11-2016

टैगोर हाल कोषिक्कोड़

2 बजे से 10 बजे तक

पाथेर पांचाली (1955)

अभिनेता -करुणा बानर्जी ,सुबिर बानर्जी, चुन्नी बाला देवी, उमादास गुप्ता

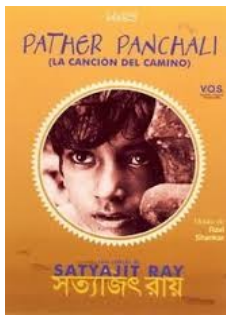

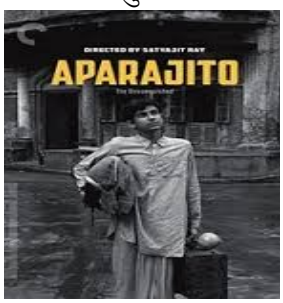

अपराजिता (1956)

अभिनेता - करुणा बानर्जी,स्मरण गोशाल, कनु बानर्जी

चारुलता (1964)

अभिनेता - माधबी मुखर्जी, सौमित्रा चाटर्जी, शैलेन मुखर्जी

तीन कन्या (1961)

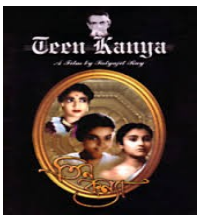

अभिनेता -सौमित्रा चाटर्जी, अपर्णा सेन, अनिल चाटर्जी, कली बानर्जी

- **अध्यापिका ये प्रश्न पूछती हैं ।**

? यहाँ कौन-सी प्रदर्शनी हो रही है ?
? किनके फिल्मों की प्रदर्शनी चल रही है ?
? प्रदर्शनी कहाँ हो रही है ?
? किन-किन फिल्मों को दिखाए जा रहे हैं ?
? " पाथेर पांचाली " के अभिनेता कौन-कौन हैं ?
? माधबी मुखर्जी किस फिल्म की नायिका है ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं -**

जैसे :-

- फिल्मों की प्रदर्शनी ।
- सत्यजीत राय ।
- टैगोर हाँल, कोषिक्कोड़ ।
- पाथेर पांचाली, अपराजिता, चारुलता, तीन कन्या ।
- करुणा बानर्जी, सुबिर बानर्जी, चुन्नी बालादेवी, उमा दास गुप्ता ।
- चारुलता ।

- **संक्षिप्तीकरण**

बीसवीं शताब्दी के सर्वोत्तम फिल्म निर्देशकों में एक है सत्यजीत राय । 6 नवंबर 2016 को 2 बजे से 10 बजे तक टैगोर हाँल, कोषिक्कोड़ में यह प्रदर्शनी चल रही है । इसमें पाथेर पांचाली , अपराजिता, चारुलता, तीन कन्या आदि फिल्मों को दिखाए जा रहे हैं ।

- पाठ्यवस्तु का वाचन करते हैं
सोनार केल्ला फिल्म में...
....रवाना होना पड़ता है ।

- **अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न पूछती हैं ।**

जैसे :-

? यहाँ कौन — सी फिल्म का शूटिंग चल रहा था ?
? लालमोहन गांगूली कौन है ?
? उनका उपनाम क्या है ?
? जैसलमेर यात्रा में उनकी गाड़ी को क्या हुआ ?

? सवार की हड्डी पसली ही अलग हो जाएगी - कैसे ?
? गांगूली और जटायू का सपना क्या था ?
? फेलू, गांगूली और जटायु कहाँ जा रहे थे ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- सोनारे केल्ला
- रहस्य — रोमांचवाले उपन्यास लेखक ।
- जटायु
- गाड़ी का टायर पंक्चर हुआ ।
- ऊँट पर हिंड़ोला खाते हुए ।
- ऊँट पर सवारी करने का ।
- जैसलमेर

प्रस्तुत अंश के आधार पर फेलू और ऊँटवालों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखने को कहती हैं ।

जैसे :-

फेलू	- अरे ऊँटवालो, ज़रा रोको ।
ऊँटवाला	- क्या बात है, साहब ?
फेलू	- हमारी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया ।
ऊँटवाला	- यहाँ कोई वर्कशॉप नही है ।
फेलू	- क्या तुम हमारी मदद करोगे ?
ऊँटवाला	- आपको कहाँ जाना है ?
फेलू	- रामदेवरा तक।
ऊँटवाला	- अच्छा, आप लोग आइए, ऊँट तैयार है ।
फेलू	- बहुत, बहुत, शुक्रिया, चलो रामदेवरा ।

" ऊँट का अध्याय .....
..... जो मर्ज़ी कर सकते थे "। का

- वाचन करते हैं ।
- प्रस्तुत भाग से मुख्य घटनाएँ चुनकर लिखने को कहती हैं ।

जैसे :-

- जैसलमेर जानेवाली पक्की सड़क वाली जगह पर शूटिंग करने का निश्चय किया ।
- ऊँटों का दल खाची गाँव से सजा धजाकर लाने का तय हुआ ।
- जोधपुर से पोखरण तक जानेवाली गाड़ी को शूटिंग केलिए इस्तेमाल करने का निश्चय किया।
- कोयले का दाम बढ़ जाने के कारण रेलवे ने गाड़ी को रदद कर दिया ।
- लेखक ने रेलवे अधिकारियों से मुलाकात की ।
- कोयले का खर्च उठाकर गाड़ी शूटिंग केलिए दिया गया ।

अध्यापिका ये प्रश्न पेश करती हैं ।

" सच कहूँ तो अभिशाप हमारे लिए वरदान हो गया क्योंकि यह रेलगाड़ी एक तरह से हमारे कब्जे में थी हम इसे आगे - पीछे ले जाएँ , रोकें, चलाएँ जो मर्जी कर सकते थे ।"

- **अध्यापिका**

लेखक सत्यजीतराय की उस दिन की डयरी कल्पना करके लिखने को कहती हैं ।
जैसे :-

दिन
दिनांक

शूटिंग का पूरा इंतज़ाम हुआ था । कोयले का दाम बढ़ गया ..... गाड़ी रद्द की गई..... हमारी सारी योजनाएँ मिट्टी में मिल गई । मेरे पसंदीदा दृश्य ..... रेगिस्तान की पृष्ठभूमि में ऊँटों पर सवार करना ..... गाड़ी पकड़ने केलिए तेज़ी से भागना ..... गाड़ी का छूट जाना .....

सौभाग्य की बात है रेलवे वाले मान गए । थोड़ी भी उम्मीद नहीं थी । कोयले का दाम चुकाना होगा । वह असल में हमारेलिए वरदान हो जाएगा ।अपनी इच्छानुसार गाड़ी आगे-पीछे ले जा सकते है । पूरी गाड़ी हमारे कब्जे में ।

आशा है कल से शूटिंग कार्य सफल होगा ही । इसी उम्मीद के साथ । बहुत नींद आ रही है । शुभरात्री.....

ऊँटों का दल वहाँ ..... यह एक और ही अध्याय है ।

- का वचन करते हैं ।
- अध्यापिका ये प्रशन पूछती हैं ।
- " रेलगाड़ी के रुकते ही हमने ड्राईवर को सारा मामला समझा दिया। " लेखक ने ड्राईवर को क्या -क्या समझा दिया ?

जैसे :-

" रेलगाड़ी को दोबारा पीछे की ओर लेना होगा । फिर वहाँ से गाड़ी को आगे की ओर लाना पड़ेगा । समय के अदाज़ा से सवारी सहित ऊँटो के दल को रवाना कर देंगे । कैमरा खुली जीप में रखा होगा । पक्की सड़क पर जीप को ऊँटो के दल के साथ रेलगाड़ी की ओर दौड़ाया जाएगा ।"

यह वाक्य चार्ट / श्यामपट पर प्रस्तुत करती हैं ।

जैसे :-

फेलू ने तय किया कि वे ऊँट से स्टेशन तक <u>जाएँगे</u> ।
रेखांकित शब्द पर चर्चा करती हैं ।

जैसे :-

? इस वाक्य में क्रिया शब्द कौन — सा है ?
? क्रिया किस काल में है ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- जाएँगे
- भविष्यतकाल

- **अध्यापिका ऐसे वाक्य पाठभाग से चुनकर लिखने के निर्देश देती हैं ।**

  जैसे :-

  - सवारों को दम निकल जाने का अभिनय नहीं करना पड़ेगा ।
  - ऊँट के दल के साथ रेलगाड़ी की ओर दौड़ाया जाएगा ।
  - हम उस ट्रेन को आगे वहाँ ले जाएँगे ।
  - उसी रेलगाड़ी का शुटिंग में इस्तेमाल किया जाएगा ।
  - झमेले का कुछ तो अंदाज़ा मिल ही जाएगा ।
  - हम इसे आगे - पीछे ले जाएँ ।
  - हम इसे रोकें, चलाएँ ।

- **संक्षिप्तीकरण**

  जिस क्रिया से आगे आनेवाले समय में काम होना पाया जाय उसे भविष्यत् काल कहते हैं ।

- **अभ्यास केलिए प्रश्न**

  - " हमारी टोली के सभी लोग रेलगाड़ी की ओर दौड पड़े , रोको, रोको । रेलगाडी ने खच्च से फिर ब्रेक लगाया । रेलगाड़ी दूसरी बार रोकना पडा ।" राय और ड्राइवर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें ।

सबसे बड़ा शो मैन

- अध्यापिका निम्न लिखित उक्तियाँ पेश करती हैं ।

> " मेरा दर्द किसी के हँसने का कारण
> हो सकता है लेकिन मेरी हँसी
> कभी भी किसी के दर्द
> का कारण नहीं होनी चाहिए । "

> " शीशा मेरा सबसे अच्छा मित्र है ,
> क्योंकि जब मैं रोता हूँ,
> तब वह कभी हँसता नहीं है ।"

> " जिंदगी करीब से देखने में एक
> त्रासदी है , लेकिन दूर से देखने
> में एक कोमड़ी है ।"

- **अध्यापिका ये प्रश्न पूछती हैं ।**

? चित्र में कौन है ?
? ये कथन किसके हैं ?

- **संक्षिप्तीकरण**

> विश्व के बड़े कलाकारों में एक चार्ली चैप्लिन हास्य अभिनेता, फिल्म निदेशक,संगीतज्ञ, फिल्म निर्माता, आदि रूप में मशहूर थे । उनकी बचपन की जिंदगी संघर्षों से भरा हुआ था, इसकी झलक इन पंक्तियों में देखने को मिलती है ।

- **अध्यापिका " सबसे बड़ा शो मैन " जीवनी पढ़ने को कहती हैं ।**

गाते - गाते अचानक ..... उसने जन्म ले लिया था ।

- **अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न पूछती हैं ।**

? यह किसकी जीवनी है ?
? माँ का नाम क्या है ? वह क्या करती थी ?
? माँ को क्यों स्टेज से हटना पड़ा ?
? चार्ली ने स्टेज पर कौन — सा गीत गाया था ?
? " चार्ली ने जनता में गुदगुदी फैला दी " कैसे ?
? चार्ली ने स्टेज पर और क्या - क्या किये ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- चार्लस स्पेनसर चैप्लिन की
- हैना, ओरकस्ट्रा के गायिका
- कंठनाली की बुरी हालत के कारण
- जैक जोन्स गाना
- चार्ली के शिकायती लहजे एवं व्याकुलता ने जनता में गुदगुदी फैला दी ।
- दर्शकों से बातचीत की , नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी।

माँ को स्टेज से हटना पड़ा और चार्ली को आना पड़ा । दोनों मजबूर थे ।इस घटना अगले दिन के अखबार में रपट के रूप में आता है, तो कैसे होंगे ?

रपट तैयार करें ।

जैसे :-

<u>परदे के पीछे से , एक शो मैन</u>

स्थान : आज आलडर शाँट थिएटर लोगों के ठहाकों से हँसीघर में तब्दील हो गया । यहाँ रोज़ होनोवाले आर्केस्ट्रा की गायिका हैना को कंठनाली की बुरी हालत से गायन के कैरियर समाप्त करना पड़ा था । लेकिन उसके पाँच साल के बेटा चार्लस स्पेनसर चैप्लिन ने माँ के समाप्त किए गाने के बदले मशहूर गीत जैक जोन्स गाना से कला के क्षेत्र में अपना सफर शुरु किया। उसके शिकायती लहजे एवं व्याकुलता जनता में गुदगुदी फैला दी । बाद में वह दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी । दर्शकों ने खडे होकर तालियाँ बजाकर चैप्लिन को प्रोत्साहित किया । परदे के पीछे से अपने मजबूरी से आगे आये उस छोटे बच्चे को माँ से हाथ मिलाकर लोग तारीफ की ।

अभ्यास केलिए प्रश्न

- " मैनेजर ने चार्ली को माँ के कुछ दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा था और वह उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।" माँ और मैनेजर के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखे ।
- " गाते - गाते अचानक माँ की आवाज फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई । इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को - मजबूर कर दिया । माँ की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें ।"

इकाई — 3

अधिगम उपलब्धियाँ

- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है ।
- वार्तालाप तैयार करता है ।
- कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
- चरित्रगत विशेषताएँ लिखता है ।

अकाल और उसके बाद

- अध्यापिका ये चित्र पेश करती हैं ।

- दोनों चित्रों से तुलना करने का अवसर देती हैं ।

चित्र -1

- सूखापन
- अकाल
- नाखुशी

चित्र- 2

हरियाली

खुशहाल

खुशी

- **छात्रों को दो दलों में बाँटती हैं ।**

  जैसे :-

- अकाल और खुशहाल
- अकाल दलवाले कविता का पहला अंश हाव-भाव के साथ पेश करतें हैं । खुशहाल दलवाले दूसरे अंश का आलाप करते हैं ।
- अध्यापिका दोनों अंशों का हाव-भाव के साथ आलाप करती हैं ।
- अध्यापिका कहती हैं पहले अंश में कई दिनों के बाद जैसे वाक्यांशों को दोहराया गया है । पाठ्यपुस्तक में इन वाक्यांशों को रेखांकित करने को कहती हैं ।
- आप एक बार फिर कविता के पहले अंश का वाचन करके सुनाती हैं ।
- आप कवितांश के आधार पर अर्थ ग्रहण केलिए सरल प्रश्न पूछती हैं ।

  जैसे :-

? चूल्हा क्या कर रहा था ?
? चक्की क्या कर रही थी ?
? छिपकलियाँ क्या कर रही थीं ?
? चूहो की हालत क्या हो रही थी ?

- **छात्र प्रक्रिया करते हैं ।**

  जैसे :-

  - चूल्हा रो रहा था ।
  - चक्की उदास पडी थी ।
  - छिपकलियाँ दीवार पर इधर — उधर घूम रही थी ।
  - चूहों की हालत एकदम खराब थी ।

- **अब अध्यापिका विश्लेषण केलिए कुछ प्रश्न पूछती हैं ।**

  जैसे :-

? चूल्हे का रोना से क्या तात्पर्य है ?
? चक्की क्यों उदास है ?
? कानी कुतिया कहाँ सोई पडी थी ?

? कानी कुतिया क्यों चूल्हे और चक्की के पास सोई हुई है।
? छिपकलियाँ क्यों दीवार पर घूम रही है
? चूहों की हालत क्यों खराब हो रही थी ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

  जैसे :-

  - चूल्हे का रोना से तात्पर्य है - चूल्हा नहीं जला । अर्थात् घर में कुछ नहीं पकाया गया ।
  - चक्की उदास है कि उसमें अनाज नहीं पीसा गया ।
  - कानी कुतिया चूल्हा और चक्की के पास सोई पडी थी ।
  - कानी कुतिया खाने की प्रतीक्षा में चूल्हे और चक्की के पास सोई है ।
  - छिपकलियाँ खाने की तलाश में (कीडे - मकोडे) दीवार पर घूम रही है ।
  - घर में कोई अनाज नहीं है । इसलिए चूहों की हालत खराब हो रही थी ।

- **अध्यापिका पहले अंश का संक्षिप्तीकरण करती है ।**

  हिंदी के प्रगतिशील कवि. श्री. नागार्जुन ने इस अंश में अकाल की स्थिति का चित्र खींचा है । अकाल की वजह से कई दिनों तक चूल्हा रोया अर्थत् चूल्हा नहीं जला, घर में कुछ नहीं पकाया गया । घर की चक्की भी उदास रही । अर्थात् चक्की में अनाज नहीं पीसा गया । जिसके कारण कवि ने कल्पना की है कि चक्की उदास है । घर में खाने के लिए कुछ न होने पर घर में रहने वाले अन्य जीवों पर भी अकाल का प्रभाव पडना स्वाभाविक है । कई दिनों तक कानी कुतिया भी चूल्हे तथा चक्की के पास सोई पडी है । उसे भी खाने को कुछ न मिला । कई दिनों तक घर के दीवार पर छिपकलियों का पहरा रहा । अकाल के दिनों में चूहों को कुछ खाने पीने को न मिलने के कारण चूहों की हालत भी दयनीय हो गई ।

- अध्यापिका कविता के दूसरे अंश का वाचन करती है ।
- छात्र भी वाचन करते हैं ।

- **कवितांश के आधार पर अर्थग्रहण केलिए सरल प्रश्न पूछती है ।**

  जैसे :-

  ? कई दिनों के बाद घर के अंदर क्या आए ?
  ? कई दिनों के बाद आँगन से ऊपर क्या उड़ने लगा ?

? कई दिन के बाद किनकी आँख चमकने लगी ?
? कौए क्या करने लगे ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- दाने आए
- धुआँ उड़ने लगा ।
- घर के सदस्यों की आँखें ।
- पंखे खुजलाने लगे ।

- **अब अध्यापिका विश्लेषण केलिए कुछ प्रश्न पूछती हैं ।**

जैसे :-

? आँगन से ऊपर धुआँ उठा से क्या तात्पर्य है ?
? घर भर के सदस्य कौन — कौन है ?
? घर भर की आँखें क्यों चमक उड़ी?
? कौए क्यों पंखें खुजलाने लगे ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

जैसे :-

- अनाज के दाने आ जाने के कारण आँगन से कई दिनों के बाद धुआँ उठा था । अर्थात् लगता था कि घर में आज कुछ पकाया जा रहा है । जिसके कारण धुआँ उठ रहा था।
- मनुष्य के अलावा अन्य जीव जंतुओं को भी कवि ने घर-परिवार के रूप में बताया है जैसे , छिपकलियाँ , चूहे, कानी कृतिया, कौए ।
- खाना मिलने के कारण घर भर की आँखें चमक उठी ।
- कौए को भी कई दिनों के बाद आज कुछ मिला था । इसलिए वे पंख खुजलाने लगे ।

- **अध्यापिका दूसरे अंश का संक्षिप्तीकरण करती है ।**

इन पंक्तियों में कवि ने अकाल के बाद की स्थिति का वर्णन किया है ।

- अकाल के कई दिनों के बाद घर में खाने केलिए कुछ अनाज आया। खाना पकाने की वजह से कई दिनों के बाद घर में धुआँ उठा था । घर में अन्न के दाने आ जाने और उन्हें पकाए जाने के कारण परिवार के सभी सदस्यों को बेहद खुशी थी । (छिपकलियाँ, चूहे, कानी कुतिया और कौए भी घर के सदस्य है ।) खुशी के मारे कौए भी अपना पंखें खुजलाने लगे । कौए को भी आज खाने केलिए कुछ मिला होगा ।

- अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न भी पूछती हैं ।
- छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

? छिपकली, कुत्तिया , चूहा और कौए को कवि ने घर के सदस्य के रूप में क्यों बताया है ?
सही उत्तर चुनें ।

- उनका जीवन घर के अंदर ही सीमित है ।
- उनका जीवन घर की खाद्य पदार्थ पर निर्भर है ।
- उनका जीवन मनुष्य पर निर्भर है ।

उनका जीवन घर की खाद्य पदार्थ पर निर्भर है ।

? कई दिनों तक का बार बार प्रयोग करके कविया में क्या भाव सौंदर्य आ गया है ?

कविता में कवि ने कई दिनों तक का बार - बार प्रयोग किया है । कवि अकाल और उसके बाद की स्थिति का सजीव तथा मार्मिक वर्णन करना चाहता है । इसलिए उसने कई दिनों तक का बार - बार प्रयोग किया है । कई दिनों तक अकाल की स्थिति रहने के कारण वातावरण अत्यंत उदास एवं निराशा से भरा हो जाता है । एक दिन में न तो अकाल की स्थिति उत्पन्न होती है तथा न ही स्थिति इतनी कष्टदायक । कई दिनों तक घर में खाना न होने के कारण स्थिति अत्यंत मार्मिक तथा दयनीय हो जाती है । इसलिए कवि ने कई दिनों तक का प्रयोग किया है । इसके प्रयोग से स्थिति की मार्मिकता बढ़ गई है ।

? कई दिनों के बाद का प्रयोग कवि ने बार- बार क्यों किया है ?

कई दिनों के बाद का प्रयोग कवि ने सोद्देश्य किया है । अकाल की दयनीय एंव मार्मिक स्थिति छुटकारा पाकर घर के सदस्यों और जीव जंतुओं के मन में दौडी खुशी की लहर का द्योतक है । अकाल के कई दिनों के बाद आया अन्न अधिक प्रसन्नता लाने वाला होता है ।

- **अध्यापिका यह वार्तालाप पेश करती है ।**

चक्की : अरे चूल्हा , तू बुझा हुआ क्यों है ?
चूल्हा : मैं क्या करूँ ! यदि तुम कुछ पीसकर दे तो मैं जरूर जलूँगा ।
चक्की : घर में अन्न का दाना भी नहीं है । फिर कैसे पीसूँ ?
चूल्हा : सही है । हम दोनों की हालत एक जैसी है ।
चक्की : यह देखो, कानी कुतिया सो रही है । छिपकलियाँ भी बहुत परेशान है ।
कुत्तिया : मैं तो पिछले कुछ दिनों से तुम्हारे पास ही सोती हूँ । कुछ अन्न आए तो पता चल जाए।
छिपकली : मेरी हालत देखो । मैं कई दिनों से इधर-उधर घूम रहा हूँ ।
चूहा : मैंने तो घर का कोना-कोना छान मारा , पर मुझे कहीं अन्न का एक दाना भी नहीं मिला।
चूल्हा : पता नहीं कितने दिन और भूखा रहना पडेगा ?
कुत्तिया : अरे, मैं फिर सोने जा रही हूँ ।
चक्की : ठीक है ।

ठाकुर का कुआँ

छात्रों को चार दलों में विभाजित करती हैं ।

- जैसे :-

  गंगी, जोखू, ठाकुर और साहू ।

- अध्यापिका कहानी को चार भागों में विभाजित करती हैं ।
- हर -एक दल एक - एक भाग का वाचन करती हैं ।
- हर- एक दल अपने-अपने हिस्से के आधार पर मुख्य घटनाओं को सूचीबद्ध करते हैं ।

- **अध्यापिका घटनाओं को श्यामपट पर पेश करती हैं ।**

  जैसे :-

  - जोखू कई दिनों से बीमार पड़ा था ।
  - जोखू को पीने केलिए बदबूदार सड़ा पानी मिला ।
  - गंगी ने सड़ा पानी पीने नहीं दिया ।
  - रात को नौ बजे गंगी ठाकुर के कुएँ के पास पानी लेने पहूँचती है।
  - जगत की आड़ पर छिपकर बैठने वाली गंगी के दिल में विद्रोही भावना जाग उठती है ।
  - कुए पर स्त्रियों के आने की आवाज सुनकर गंगी एक पेड़ के पीछे छिप जाती है ।
  - बातें करती हुई स्त्रियाँ पानी भरकर चली जाती हैं ।
  - ठाकुर के दरवाजे बंद होने पर गंगी दबे पाव कुए की जगत पर चढ़ती है ।
  - गंगी कुएँ से पानी खींचने लगी ।
  - ठाकुर का दरवाजा खुलने पर गंगी के हाथ से रस्सी छूट गई और घडा धडाम से पानी में गिर गया ।
  - ठाकुर चिल्लाते हुए कुएँ की तरफ आने लगा ।
  - गंगी कुएँ की जगत से कूदकर भाग गई ।
  - घर पहुँचकर गंगी ने देखा कि जोखू गंदा पानी पी रहा है ।

- अध्यापिका छात्रों को दो दलों में बाँटती हैं ।

प्रश्नोत्तरी चलाती हैं ।

जैसे :-

? प्र : ' ठाकुर का कुआँ ' किसकी रचना है ?
? प्र : यह किस विधा के अंतर्गत आती है ?
? प्र : इस कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं ?
? प्र : इस कहानी की मुख्य समस्या क्या है ?
? प्र : जोखू को क्या हुआ था ?
? प्र : पानी कैसे बदबूदार बन गया था ?
? प्र : गाँव में किन — किन के कुएँ हैं ?
? प्र : कौन मार खाकर महीनों तक लहू थूकता रहा था ?

- **अध्यापिका यह वार्तालाप रोलप्ले के रूप में पेश करने को कहती हैं ।**

जोखू : गंगी ..... ओ गंगी .....
गंगी : जी ..... अभी आई ।
जोखू : थोड़ा पानी पिलाओ न गंगी ।
गंगी : अभी लाई ।
जोखू : बहुत प्यास लगी है गंगी ।
गंगी : यह लीजिए पानी ।
जोखू : यह कैसा पानी है री ..... ?
गंगी : क्या हुआ जी ?
जोखू : मारे बास के पिया नहीं जाता ।
गंगी : क्या जी ? बाँस ?
जोखू : गला सूखा जा रहा है । तू मुझे सड़ा पानी पिलाए देती है ।
गंगी : आज पानी में बदबू कैसी ।
जोखू : अब मैं क्या करूँ गंगी ?
ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँगा ।
गंगी : यह पानी कैसे पिओगे ?

जोखू : फिर मैं क्या करूँ ?
गंगी : मैं दूसरा पानी लेके दूँगी।
जोखू : पानी कहाँ से लाएगी तू ?
गंगी : ठाकुर या साहू के कुएँ से ।
जोखू : हाथ -पाँव तुडुवा आएगी तू ..... ।चुपके से बैठ।
गंगी : हे भगवान ! क्या करूँ गंगी ? .....

- **अध्यापिका गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखने का निर्देश देती है ।**

  - मुख्य स्त्री पात्र . जोखू की पत्नी . निम्न जाति की स्त्री . साहसी नारी . समझदार औरत . ऊँच-नीच भ्रष्टाचार आदि पर तीखा प्रहार करने वाली . असहाय भारतीय नारी का प्रतीक . सफल गुहस्थी ।

- **अभ्यास केलिए प्रश्न**

  - 'जाति प्रथा एक अभिशाप है '- इस विषय पर संगोष्ठी चल रही है । इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें ।

इकाई — 4

- **अधिगम उपलब्धियाँ**

  - लेख पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है ।
  - अनुच्छेद लिखता है ।
  - वार्तालाप तैयार करता है ।
  - टिप्पणी तैयार करता है ।
  - संबंध पहचानकर सही मिलान करके लिखता है ।
  - वर्तमान काल के वाक्यों को पहचानकर लिखता है ।
  - वाच्य बदलकर लिखता है ।
  - सर्वनाम के साथ विभक्ति प्रत्यय जोडकर लिखता है ।
  - समाचार रपट तैयार करता है ।
  - ब्राशर तैयार करता ।

बसंत मेरे गाँव का

- लेख

मुकेश नौटियाल

अध्यापिका यह तालिका पेश करती है

ओणम	दीपों का त्योहार
होली	फूलों का त्योहार
दीपावली	रंगों का त्योहार

छात्र तालिका का सही मिलान करते हैं

- छात्तों को तीन दलों में बाँटती हैं ।
  जैसे - ओणम, होली, दीपावली।
  हर दल को ओणम, होली और दीपावली के बारे में एक अनुच्छेद लिखने का निर्देश देती हैं ।

ओणम

ओणम केरल का मुख्य त्योहार है। ओणम श्रावण के महीने में आता है । यह महाबली की याद में मनाया जाता है । अत्तम से लेकर तिरुवोणम तक के दस दिनों में यह मनाया जाता है । इन दिनों में केरल के घरों के आँगन पूक्कलम से सजाया जाता है । तिरुवोणम के दिन लोग नये कपडे पहनते हैं और दावत खाते हैं ।

दीपावली

यह दीपों का त्योहार है । यह त्योहार कार्तिका महीने के अमावास्य के दिन मनाया जाता है ।इस दिन पूरे घर को दीपों से सजाया जाता है । पटाखे जलाते हैं , तरह — तरह की मिठाईयाँ बाँटती जश्न मनाते हैं ।

होली

होली उत्तर भारत का प्रमुख त्योहार है । इसे रंगों का त्योहार कहा जाता है । लोग सभी प्रकार के भेद —भाव भूलकर एक—दूसरे पर रंगीन गुलाल लगाते हैं । यह उत्सव होलिका और प्रह्लाद की पौराणिक कथा पर आधारित है ।

संक्षिप्तीकरण

ओणम, होली, दीपावली आदि त्योहार हमारे संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है । किसी भी जगह की संस्कृति में वहाँ के प्राकृतिक संसाधनों का प्रमुख स्थान है ।
ओणम दल — बसंत मेरे गाँव का - मकर संक्रांति ..... दूसरा त्योहार नहीं हैं ।

छात्र वाचन करते हैं ।

अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न पूछती हैं ।

? लेखक कौन है ?
? "बसंत मेरे गाँव का" पाठ किस विधा के अन्तर्गत आता है ?
? बसंत की विशेषताएँ क्या - क्या हैं ?
? सूरज कहाँ से चौखंभा की ओर खिसकता है ?
? पंचाचूली से चौखंभा तक पहूँचने में कितने समय लगता है ?
? नंदा पर्वत कहाँ है ?
? बसंत क्या लेकर आता है ?
? पहाड के ढलानों पर कौन — कौन से फूल खिलते हैं ?
? सुबह से शाम तक बच्चे क्या-क्या करते हैं ?
? ये फूल कहाँ रखे जाते हैं ?
? अगले सुबह इन फूलों से क्या करते हैं ?
? घरों से दक्षिणा के रूप में क्या-क्या मिलते हैं ?
? फूल देई का त्योहार कितने दिनों तक मनाया जाता है ?

बच्चे प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे

- मुकेश नोटियाल
- लेख
- माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसंत का आरंभ होता है । बसंत फूलों का ऋतु है । पेड- पौधे फूलों से लद जाते हैं ।
- पंचाचूली से चौखंभा की ओर से ।
- चार महीने ।
- पंचाचूली और चौखंभा के बीच ।
- फूलदेई का त्योहार ।
- फूमली के पीले फूल , सरसों के पीले फूल आदि
- फूल चुनते हैं ।
- रिंगाल के टोकरियों में, पानी भरे गागरों के ऊपर ।
- फूलों से गाँव के घरों की देहरियाँ सजाते हैं ।
- दक्षिणा के रूप में चावल , गुड और दाल मिलते हैं ।
- इक्कीस दिन तक ।
- अध्यापिका कहती है-

? पठित भाग के आधार पर फूलदेई त्योहार के बारे में एक अनुच्छेद लिखो ?

फूलदेई

उत्तराखंड राज्य के हिमालयी आंचल में फूलदेई का त्योहार मनाया जाता है । यह वसंत ऋतु का प्रमुख त्योहार है । यह बच्चों का त्योहार माना जाता है । बच्चे सुबह से शाम तक तरह — तरह के फूल चुन लेते हैं । ये फूल रिंगाल के टोकरियों में रखे जाते हैं । इन टोकरियों को रात में पानी भरी गागरों के ऊपर रखा जाता है , ताकि फूल सुबह तक मुरझा न जाए सुबह होते ही बच्चों की टोलियाँ गाँव भर घूमती है और इन फूलों से घरों की देहरियाँ सजाए जाते हैं । घरवाले बच्चों को दक्षिणा के रूप में चावल , गुड आदि देते हैं । इन चीजों से इक्कीसवें दिन सामूहिक भोज बनाया जाता है । भोज का पूरा आयोजन बच्चों की है ।

- दीपावली दल "उधर बच्चे ..... लेन देन चल रहा है ।" - वाचन करते हैं ।

अध्यापिका ये प्रश्न देती हैं

? चैती गीत से क्या तात्पर्य हैं ?
? बसंत में संगीत के सुर कैसे घुलते हैं ?
? बुराँस के फूल कब चटकने लगते हैं ?
? पशुचारक खुशी से झूम उठते हैं । कब ?
? पशु चारक और क्या - क्या करते हैं ?
? आपसी विश्वास के दम पर वर्षो से यहाँ से लेन देन चल रहा है यहाँ गाँववालों का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है ।

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ?**

➔ फूलदेइ के त्योहार के अवसर पर औजियों से गाये जाते हैं ।
➔ फूलदेई के अवसर पर औजी लोग अपने चैती गीतों से माहौल को मुखरित करते हैं और पशुचारकों का संगीत भी इसमें घुल जाते हैं ।
➔ बसंत की गुनगुनी धूप दोपहरी में तपाने पर
➔ महीनों तक इधर — उधर भटक कर जब अपने घर जाने का मौका मिलता है तब पशुचारक खुशी से झूम उड़ते हैं ।पशुचारक अपने देशों से पशुओं को लेकर आता है । इन जानवरों को चराने के अलावा कई तरह की कीड़ाजड़ी , करण, चुरु जैसी दुर्लभ हिमालयी जड़ीबूटी बेचते भी हैं ।
➔ गाँववाले पशुचारकों को और पशुचारक गाँववालों को आपस में सहायता प्रदान करते हैं । अपसी विश्वास के दम पर यह लेन — देन चलता है ।

- **अध्यापिका कहती हैं ।**

? कीडा-जडी लेकर आए पशुचारक और गाँववाली के बीच का वार्तालाप तैयार करे ।

पशुचारक : कमला दीदी ..... ओ .....कमला दीदी
कमला : अरे यह कौन ..... ? तुम आ गये ।
पशुचारक : हाँ दीदी ! आप लोगों से मिलने बगैर कैसे ..... ?
कमला : अरे तुम्हारी टोकरी में क्या - क्या हैं ?
पशुचारक : आपको क्या चाहिए ? सब कुछ है । कीडा-जडी है, करण है ..... चुरु है ..... क्या चाहिए आपको?
कमला : पिछले साल के पैसे कुछ बाकी है ना ? कितने थे ?
पशुचारक :कौन जाने दीदी ! आप जो देंगी वह हम लेंगे बस ।
कमला : अच्छा थोडा कीडा-जडी दिखाओ ?
पशुचारक : हाँ ।यह लीजिए एकदम बढ़िया है ।
कमला : अच्छा ।यह लो पचास रुपए। बाकी अगले साल देखेंगे ।
पशुचारक : ठीक है दीदी । फिर मिले ।
कमला : हाँ, ठीक है ।

- **अध्यापिका निम्न लिखित तालिका पेश करती हैं ।**
  क्रमबद्ध करने का निर्देश देती हैं ।

◆ औजी लोग	- आपसी विश्वास के दम पर।
◆ चैती गीत	- गंगा में पानी तेज हो जाता है ।
◆ औजी लोगों के आने पर	- इसलिए कीमत वक्त पर नहीं चुकाता है ।
◆ गुनगुनी धूप तपाने पर	- ढोल-ढमाऊ की थाप पर चैती गीत गाते हैं।
◆ ठंड के मौसम होने पर	- बुराँस चटकने लगते हैं ।
◆ सूरज के चौखंभा पर्वत पहूँचने पर	- पांड़वों की हिमालय यात्रा के किस्से
◆ पशुचारक	- भीड़ जमा हो जाती है ।
◆ गावों से सदियों का रिश्ता है	- पशुचारक अपने इलाकों से निचले इलाकों में आते हैं ।
◆ नकद-उधार के आंकडे कहीं दर्ज नही होता है	- कीडा - जडी, करण, चुरु जैसी दुलर्भ हिमालयी जडी बूटियाँ बेचते हैं ।

- **छात्र तालिका का सही - मिलान करते हैं।**

जैसे

◆ औजी लोग	- डोल डमाऊ की थाप पर चैती गीत गाते हैं।
◆ चैती गीत	- पांड़वों की हिमालय यात्रा के किस्से ।
◆ औजी लोगों के आने पर	- भीड़ जमा हो जाती है ।
◆ गुनगुनी धूप तपाने पर	- बुराँस चटकने लगते हैं ।
◆ ठंड के मौसम होने पर	- पशुचारक अपने इलाकों से निचले इलाकों में आते हैं ।
◆ सूरज के चौखंभा पर्वत पहूँचने पर	- गंगा में पानी तेज हो जाता है ।
◆ पशुचारक	- कीडा - जडी, करण और चुरु जैसी दुलर्भ हिमालयी जड़ी बूटियाँ बेचते हैं ।
◆ गावों से सदियों का रिश्ता है।	- इसलिए कीमत वक्त पर पूरी नहीं चुकाता है ।
◆ नकद-उधार के आंकडे कही दर्ज नहीं होता है	- आपसी विश्वास के दम पर

- **अध्यापिका होली दल को**

" पशुचारकों के..... उल्लास बना रहेगा ।"
पढ़ने को कहती हैं ।

अध्यापिका निम्न लिखित प्रश्न पूछती हैं ।

जैसे
? लेखक के गाँव का वातावरण कैसे सक्रिया बना ?
? इनके गाँव को सक्रिया बनाने वाली बातें क्या - क्या हैं ?
? बदरीनाथ और केदारनाथ के मुख्य पुजारी कहाँ से हैं ?
? अपने घर की छत से जब बद्रीनाथ यात्रा मार्ग की भीड़ देखते हैं तो लेखक क्या सोचने लगा ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

➔ बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की ओर जाने वाले तीर्थ यात्रीगण के चहल-पहल लेखक के गाँव साक्रिय बनाता है ।

➔ फूलदेई के त्योहार के उमंग, पशुचारकों की मस्ती, तीर्थयात्रीयों के चहल-पहल आदि लेखक के शांत गाँव को सक्रिय बनाते हैं।

➔ दक्षिण भारत से।

➔ भीड़ देखकर लेखक सोचते हैं कि दो महीने पहले यह घाटी कितना शांत थी ।

- **अध्यापिका कहती हैं ।**

  जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा इसका तात्पर्य क्या है एक टिप्पणी तैयार करो ।

- **छात्र की प्रतिक्रिया**

<u>बसंत ऋतु</u>

मकर संक्रांति के बाद सूरज पंचाचूली से चौखंभा की ओर खिसकने में चार महोने लगते हैं । यानी माघ, फाल्गुन, चैत्र और वैशाख के महीनों में सावन होता है । इस अवसर पर पहाड़ के ढलानों के पेड-पौधे फ्मूली , सरस, बुराँस आदि फूलों से लद जाते हैं । सूरज की यात्रा एवं हिमालय की मौजूदगी से प्रकृति में अनगिनत बदलाव आ जाते हैं । बसंत की गुनगुनी धूप से हिमालय के शिखरों पर बुराँस के फूल चटकने लगते हैं । गंगा में पानी की धारा तेज होती है । हिमालय भारत के लिए एक रक्षा कवच हैं । कहने का मतलब यह है, हमारी ऋतुओं पर हिमालय का बडा असर है । जब तक हिमालय रहेगा तब तक हमारी ऋतुओं का वैविध्य रहेगी ।

महीने

हिन्दी	अग्रेजी
चैत्र	मार्च - अप्रैल
वैशाख	अप्रैल - मई
ज्येष्ठ	मई - जून
आषाढ़	जून - जुलाई
श्रावण	जुलाई - अगस्त
भाद्रपद	अगस्त - सितंबर
आश्विन	सितंबर - अक्तूबर
कार्तिका	अक्तूबर - नवंबर
मार्गशीर्ष	नवंबर - दिसंबर
पौष	दिसंबर - जनवरी
माघ	जनवरी - फरवरी
फाल्गुन	फरवरी - मार्च

➔ **अध्यापिका यह चार्ट पर पेश करती हैं ।**

लड़का फूल चुनता है ।
लड़के फूल चुनते हैं ।
लड़की फूल चुनती है ।
लड़कियाँ फूल चुनती हैं ।

➔ **अध्यापिका कहती हैं ।**

रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें ।
प्रत्येक वाक्य में रेखांकित शब्द किसकी भूमिका अदा करती हैं ।
(संभावित उत्तर — कर्ता की)

➔ **अध्यापिका यह तालिका पेश करती हैं ।**

➔ **उचित खंभों में रेखांकित शब्दों को भरने का निर्देश देती हैं ।**

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन

अध्यापिका पूछती हैं ।

➔ लड़का , लड़के,लड़की,लड़कियाँ शब्दों के अर्थों में क्या अंतर हैं ।
➔ इन शब्दों के रूप और अर्थ किसके आधार पर बदलते हैं ?

● **संक्षिप्तीकरण**

लड़का पुल्लिंग एकवचन कर्ता, लड़के पुल्लिंग बहुवचन कर्ता, लड़की स्त्रीलिंग एकवचन कर्ता, लड़कियाँ स्त्रीलिंग बहुवचन कर्ता के द्योतक है ।

- **अध्यापिका चार्ट प्रस्तुत करती हैं ।**

  लड़का फूल चुनता है ।
  लड़के फूल चुनते हैं ।
  लड़की फूल चुनती है ।
  लड़कियाँ फूल चुनती हैं ।

  - आगे कहती है -
  - गोले के शब्द पर ध्यान दें ।

  ➔ चुनता है ,चुनते हैं , चुनती है, चुनती हैं इन क्रिया पदों से काल का बोध होता है ।
  ➔ इन क्रिया पदों से क्या कोई अंतर है
  (संभावित उत्तर — नहीं है ।)
  ➔ तो फिर इन पदों के रूपों में अंतर क्यों है ?
  (संभावित उत्तर — कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार)
  ➔ यहाँ फूल शब्द किसकी भूमिका आदा करती है ।
  (संभावित उत्तर — कर्म की)

- **संक्षिप्तीकरण**

  - एक साधारण वाक्य में कर्ता ,कर्म और क्रिया होती है ।
  - चुनता है , चुनते हैं , चुनती है, चुनती हैं - इन क्रिया पदों से क्रिया के सामान्य वर्तमान कालिक रूप का बोध होता है ।
  - इन चारों में अर्थ की दृष्टि से कोई अंतर नहीं है ।
  - सामान्य वर्तमान काल में कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया का रूप बदलता है ।

- **अध्यापक संकेत**

  ➔ पाठ भाग के सामान्य वर्तमान कालिक रूप संबंधी कार्य चलाएँ
  ➔ पाठ भाग पढने का निर्देश दें
  ➔ पाठ भाग से ऐसे वाक्यों का चयन करने का निर्देश दें ।

- **अध्यापिका यह तालिका पेश करती हैं ।**

  बच्चा गेंद खेलता है ।
  बच्चा गेंद खेलते हैं ।
  बच्ची गेंद खेलती है ।
  बच्चियाँ गेंद खेलती हैं ।

- **अध्यापिका पूछती हैं ।**

➔ पहले वाक्य में कर्ता कौन है ?
- कर्म क्या है ?
- क्रिया क्या है ?

संभावित उत्तर
- बच्चा
- गेंद
- खेलता है

➔ यहाँ कौन कार्य करता है ?
(संभावित उत्तर बच्चा)
इस वाक्य में खेलता है पद कैसे आया ?
(संभावित उत्तर बच्चा शब्द पुलिंग एकवचन होने के कारण ।)
कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया बदलती है ।

➔ दूसरे वाक्य में कर्ता कौन है ?
(संभावित उत्तर बच्चे)

➔ क्रिया क्या है?
(संभावित उत्तर — खेलते हैं)
इस वाक्य में खेलते हैं कैसे आया ?
(संभावित उत्तर बच्चे शब्द पुल्लिंग बहुवचन होने के कारण।)
कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया बदलती है।

➔ तीसरे वाक्य में कर्ता कौन है ?
(संभावित उत्तर बच्ची)

➔ क्रिया क्या है ?
(संभावित उत्तर — खेलती हैं।)
इस वाक्य में खेलती है पद कैसे आया ?
(संभावित उत्तर बच्ची शब्द स्त्रीलिंग एकवचन होने के कारण।)
कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया बदलती है।

➔ चौथे वाक्य में कर्ता कौन है ?
(संभावित उत्तर — बच्चियाँ)

➔ क्रिया क्या है ?
(संभावित उत्तर — खेलती हैं।)
इस वाक्य में खेलती हैं पद कैसे आया ?
(संभावित उत्तर बच्चियाँ शब्द स्त्रीलिंग बहुवचन होने के कारण।)
कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया बदलती है।

- **संक्षिप्तीकरण**

> जिस वाक्य में क्रिया कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार बदलती है उस वाक्य में कर्ता ही प्रमुख रहता है ।

- **अध्यापिका तालिका पेश करती हैं ।**

बच्चे से गेंद खेला जाता है ।
बच्चों से गेंद खेला जाता है ।
बच्ची से गेंद खेला जाता है ।
बच्चियों से गेंद खेला जाता है ।

- **अध्यापिका पढने को कहती हैं -**
  अध्यापिका पूछती हैं ।

? इन चारों वाक्यों में कर्ता कौन-कौन हैं ?
संभावित उत्तर
(बच्चा, बच्चे, बच्ची, और बच्चियाँ)

? और कोई समानता है इन वाक्यों में ?
संभावित उत्तर
(चारों वाक्यों की क्रिया एक जैसी ही है ।)

? और कोई समानता है ?
संभावित उत्तर
(चारों वाक्यों के कर्ता के साथ 'से' जोड़ा है ।)

? और कोई समानता है ?
संभावित उत्तर
(चारों वाक्यों में जा शब्द का रूप सामान्य वर्तमान काल के पुल्लिंग एकवचन में प्रयोग किया है ।)

? इन वाक्यों में और कोई शब्द समान रूप में आये हैं ?

संभावित उत्तर

(हाँ - गेंद)

? इन वाक्यों में गेंद शब्द किसकी भूमिका अदा करती है ?

संभावित उत्तर

(कर्म की)

? गेंद शब्द का लिंग कौन सा है ?

संभावित उत्तर

(पुल्लिंग)

? बच्चे कितने गेंद से खेलते हैं ?

संभावित उत्तर — एक

<u>संक्षिप्तीकरण</u>

हिन्दी में कुछ वाक्य ऐसे हैं

- जो कर्ता को छोडकर कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया बदलती है ।
- कर्ता के साथ 'से' प्रत्यय जोडा जाता है ।
- 'जा' क्रिया का रूप मुख्य क्रिया के काल के अनुसार प्रयोग किया जाता है ।
- मुख्य क्रिया सामान्य भूतकाल में लिखा जाता है।
- ऐसी विशेषताएँ होनेवाले वाक्यों को कर्म वाच्य कहलाते हैं।

जैसलमेर

यात्रावृत्त **- मिहिर -**

- अध्यापिका छात्रों को भारत के नक्शे की प्रतिलिपि देती हैं ।
- राजस्थान के जैसलमेर , जोधपुर और जयपुर का आंकन करने का निर्देश देती हैं ।
- इने-गिने प्रस्तुति।
- छात्रों को जैसलमेर, जोधपुर और जयपुर इन तीन दलों में बाँटती हैं ।
- पहला दल जैसलमेर को - "जैसलमेर की यात्रा ..... होली का रंग याद हो आया।"
- अध्यापिका छात्रों को ये प्रश्न देती हैं- का वाचन करते है

? जैसलमेर भारत के किस राज्य में है ?
? लेखक ने जैसलमेर की यात्रा 20-20 ओवर के मैच से क्यों तुलना की ?
? जोधपुर से आगे बढ़ने पर लेखक एक-एक गरम कपडे उतारने लगे । क्यों ?
? लेखक को क्यों गूपी गाइन — बाघा बाईन की याद आयी ?
? सोनार किले का अंतर जाकर लेखक को होली की याद आयी । क्यों ?
छात्र प्रतिक्रिया करते हैं - जैसे

- राजस्थान
- लेखक की जैसलमेर की यात्रा बस तीन दिन की थी । जिस प्रकार 20-20 ओवर का मैंच खतम होता है उसी प्रकार यह यात्रा भी जल्दबाज़ी में खतम हुई ।
- गूपी गाईन बाघा बाईन सत्यचित्र राय की एक फिल्म हैं , जिसमें गूपी और बाघा जैसे ठंड़ देश से गरम प्रदेश पहूँचने पर अपने गरम कपड़े उतारते हैं उसी प्रकार लेखक भी जयपूर से जोधपुर पहुँचने पर अपने गरम कपडे उतारने लगे ।
- किले के अंतर के रंगीन जूतों का दूकान देखकर लेखक को होली की याद आयी ।
- राजस्थान राज्य की जनता का जीवन बढ़ती गरमी और लू के कारण तड़प रहा है । समाचार रपट तैयार करो ।

- **छात्र प्रतिक्रिया**

जलता राजस्थान

राजस्थान : राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में तापमान की वृद्धी हो रही है । गर्मी का प्रकोप जन जीवन को रोक देता हैं ।कडी धूप के कारण राजस्थान के जोधपुर , जैसलमेर , अजमेर, अलवार, बीकानेर आदि जिलों में भीषण लू लगने पर जन जीवन स्तंभित हो गया । पानी की किल्लत भी बढ रही है । ऐसी हालत में बडी मात्रा में पशु - पक्षी भी मारे जाते हैं । मौसम विभाग के अनुसार यहाँ का औसत तापमान 48 डिग्री सेल्सियस है । आनेवाले दिनों में यह बढ़ने की संभवना भी कहा जाता है ।

➔ अध्यापिका जोधपुर दल को "जब मैं तस्वीर ..... परदेस भी घर हो जाता है"। पढने का निर्देश देती हैं ।

➔ अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न देती हैं ।

? लोनली प्लैनट क्या है ?

? उसमें जैसलमेर के संबन्ध में क्या लिखा है ?

? "थैक यू लोनली प्लैनट फाँर मेकिंग अस अनइम्पलाँइड "व्यवसाईयों की इस प्रतिक्रिया पर आपका विचार क्या है ?

? पेट भर खाना, सर ढँकने को छत मिल जाए तो परदेस भी घर हो जाता है यह कथन किस सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करता है ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते है -**

- लानली प्लैनट एक पर्यटक एजेंसी का गाइड है ।
- लोनली प्लैनट में किसीने जैसलमेर को सोनार किले के बारे में कुछ खराब लिखा । इसलिए विदेशियों का आना कम हुआ।यह वहाँ के व्यापारियों को मुश्किल में फँसाया ।
- यहाँ व्यंग्यात्मक ढंग से व्यवसाइयों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है ।
- जब लेखक सोनार किले के तिब्बतियन रेस्तराँ गये तब एक तिब्बत वाले से मिला जो उस रेस्तराँ चला रहा था । इस प्रसंग में लेखक याद करते हैं पेट भर खाना और सिर ढँकने का छत मिल जाए तो परदेश भी घर हो जाता है । यह एक सामाजिक सच्चाई है, इस दुनिया में बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो अपने घर — परिवार और देश छोड़कर किसी अन्य देश में दिन — रात काम करते रहते हैं ।

- **अध्यापिका यह प्रश्न देती हैं -**

  जब लेखक तस्वीर खींचने सोनार किले के अंदर एक दूकान में आये , तो देखा "थैंकयू लोनली प्लैनट फाँर मेंकिंग अस अनइम्पलाँइड।" लाँनली प्लैनट में आए इस खबर के बारे में लेखक और व्यापारी के बीच का वार्तालाप तैयार करें ।

- **छात्र की प्रतिक्रिया -**

व्यापारी	- आइए साब आइए...
लेखक	- तुम्हारा दूकान बहुत सुन्दर है । एक फोटो खींच लूँ ?
व्यापारी	- क्यों नहीं ? खींच लिजिए ना ।
लेखक	- धन्यवाद । यह क्या है? थैंक यू.लोनली प्लैनट फाँर मेंकिंग अस अनइम्पलाँइड
व्यापारी	- क्या कहूँ साब ! आजकल कोई बिक्री नही चालती ।
लेखक	- क्यों !
व्यापारी	- किसी ने लोनली प्लैनेट में कुछ खराब लिखा है ।
लेखक	- ओ ऐसा है ! तुम फिकर मत करो । ऐसी बातें ज्यादा टिकती नहीं ।
व्यापारी	- भगवान आपका भला करें , कुछ तो लीजिए साब । अच्छे -अच्छे प्रदर्शन वस्तुएँ है।
लेखक	- ठीक है । वह सोनार किला कितने का है ?
व्यापारी	- यह कुछ बढ़िया है साब, डेढ़ हजार रुपए ।
लेखक	- यह बिलकुल महँगा है ।
व्यापारी	- साब अभी तक कोई बिक्री नही हुई । कृपया लीजिए ।आपको 1300 में दूँगा।
लेखक	- ठीक है , पैंक करो।
व्यापारी	- यह लीजिए साब, शुक्रिया ।

अध्यापिका जयपुर दल को वाचन करने का निर्देश देती है ।

"शाम को सम .....
..... मजेदार अनुभव था ।"

अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न देती हैं ।

? सम कहाँ है ?
? वहाँ पर्यटक क्यों जाते हैं ?
? लेखक की ऊँट सवारी कैसी थी ?
? सारी सीमा पर तारबंदी हो गई । क्यों ?
? दोनों ओर सब कुछ एक जैसा दिखता है । वे क्या - क्या हैं ?

- **छात्र की प्रतिक्रिया -**

  - सम मानो असली रेगिस्तान है । यह जैसलमेर शहर से 20-30 किलोमीटर दूरी पर है ।
  - वहाँ पर्यटक दूर दूर तक फैले टीलों को देखने और ऊँट सवार करने आते हैं ।
  - लेखक का ऊँट सवारी बिलकुल अच्छा था । माईकिल नामक ऊँट पर ही लेखक ने सवारी की थी । यह एक सीखा हुआ ऊँट था । नौसिखियों को भी तंग नहीं करता था । लेखक को लगा वह ऊँट का चला रहा है । माईकिल मालिक का कहना मानने वाला था ।
  - और आपस में कोई सीमा पार न करे ।
  - दोनों देशों में हवा, जमीन, धूप और रूखापन आदि एक जैसे ही है । सीमाएँ सिर्फ मानव मन में होती हैं । यह मानव को संकुचित बना देता है ।

  ? जैलसमेर में देखने के लिए क्या -क्या है ? एक अनुच्छेद तैयार करें ।

अध्यापिका सहायक बिन्दुएँ देती है ।

- जैलसमेर रेलवे स्टेशन के पास सोनार किला।
- सोनार किले की विशेषताएँ ।
- सम रेगिस्तान की विशेषताएँ ।
- ऊँट सवारी।
- बी एस एफ का इलाका ।
- 110 किलोमीटर दूरी पर तनोट मंदिर ।
- तारबंदी ।

अभ्यास के लिए प्रश्न

? लेखक जैलसमेर की यात्रा के अनुभव बताकर अपने दोस्त को पत्र लिखता है । वह पत्र तैयार करे।

- **अध्यापिका कहती हैं ।**

आप लोग अपने-अपने दल में जैलसमेर के दर्शनीय स्थानों के सूची बनाएँ । इसके लिए पाठ के बाहर की स्रोतों का भी लाभ उठाएँ ।
बनाए गए सूची के आधार पर जैलसमेर यात्रा की सहायता के लिए एक ब्रोशर तैयार करें ।

जैसलमेर

राजा रावल जैसल का जैसलमेर किला

(सोनार किला)

रेलवे स्टेशन से 16.की.मी. दूरी पर

सूर्यनगरी
जोधपुर

तार रेगिस्तान के पास बहुत सारे किले , मंदिर और महल से भरपूर .....

रहने के लिए शानदार होटल

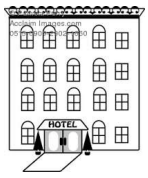

रंगमहल

संपर्क करे - info@hotelrangmahal.com

912992-251095

सस्ता एवं बदिया

खाने के लिए

" फ्री तिब्बत रूफ टॉप रेस्टोरेंट

राजकीय
माता तनोट मंदिर

पाकिस्तान सीमा के नज़दीक

जैसलमेर से 130 कि.मी. की दूरी पर अन्य पर्यटक स्थान

पोखरण

रामदेवरा

पोखरण से 12 कि.मी. की दूरी पर

सम से ऊँट सवारी की मज़ा उड़ाइए

इकाई — 5

अधिगम उपलब्धियाँ

- कविता पढकर आशय प्रस्तुत करता है ।
- कविता केलिए आस्वादन — टिप्पणी लिखता है ।
- बालश्रम के विरुदधं पोस्टर तैयार करता है ।
- कहानी पढकर आशय प्रस्तुत करता है ।
- पत्र लिखता है ।
- डायरी लिखता है ।

बच्चे काम पर जा रहे हैं

अध्यापिका कक्षा में यह पोस्टर प्रस्तुत करें ।

बालश्रम विरुद्ध दिवस

एक — जून

आज का बच्चा कल का नागरिक

बच्चों की मुस्कान कल की शान

शिशू सेवा समिति

कोषिक्कोड

- यह पोस्टर किससे संबंधित है ?
- चित्र में कौन — कौन हैं ?
- बच्चे क्या कर रहे हैं ?

- ऐसी हालत क्यों ? चर्चा करें ।
- मुख्य बिदुएँ श्यामपट पर लिखें ।

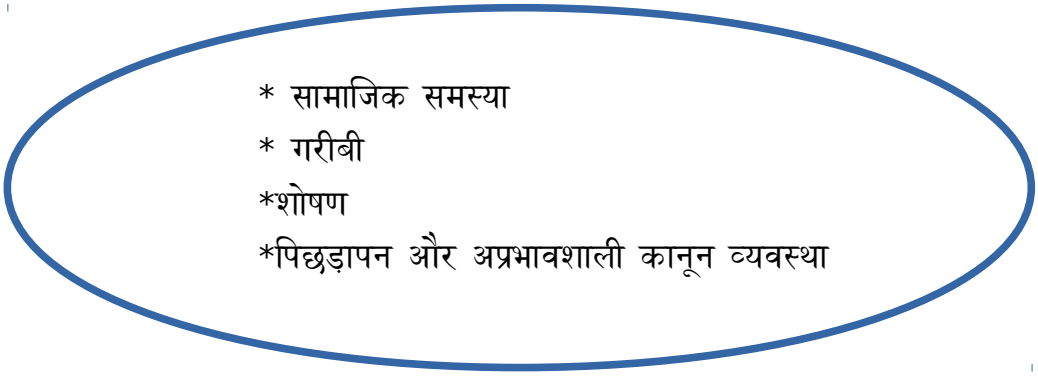

- बच्चों को चार दलों में बाँटें जैसे गेंद , किताब, खिलौना , मदरसा ।
  कोहरी से ढँकी ..... मदरसों की इमारतें - का वाचन करें ।
- आशय ग्रहण केलिए कुछ प्रश्न दलों में दें ।

1. बच्चे क्यों जा रहे हैं ?
2. बच्चे कब काम पर निकलते हैं ?
3. हमारे समय के सब से भयानक पंक्ति कौन — सी है ?
4. भयानक पंक्ति क्यों कहा गया है ?
5. गेंदें कहाँ गिर गईं ?
6. गेंद और बच्चों से क्या संबंध है ?
7. किताबें कैसी हैं ?
8. किताबों को क्या हुआ ?
9. खिलौने किसके नीचे दब गए ?

छात्र प्रतिक्रिया करें ।

जैसे

- काम पर
- सुबह — सुबह
- बच्चे काम पर जा रहे हैं ।
- बालश्रम एक सामाजिक समस्या है ।
- अंतरिक्ष में ।
- खेलने की चीज है ।
- रंग — बिरंगी ।
- दीमक ने खाया ।
- काले पहाड के नीचे ।

- **अध्यापिका कविता के पहले भाग की टिप्पणी लिखें ।**

जैसे

टिप्पणी

राजेश जोशी हिंदी के आधुनिक कवियों में प्रमुख हैं । मनुष्यता को बचाए रखना, आपकी कविताओं की विशेषता है । आजकल बालश्रम एक समाजिक समस्या है । हर बच्चे का अपना - अपना हक है - सुरक्षित रहने का, शिक्षा पाने का आदि । यहाँ कुछ बच्चे इन हकों से वंचित है । इस समस्या की ओर आम जनता का ध्यान आकर्षित करते हैं ।

कवि कहते हैं कि बडे सबेरे कोहरे से ढँकी सडक पर , जहाँ राह भी ठीक तरह से सूझती नहीं, बच्चे काम पर जा रहे हैं । इस समय बडे लोग तो घर के अंदर सर्दी से बचाकर रहते हैं । हमारे समय की एक भयानक स्थिति है यह , क्योंकि यह उनके काम करने की उम्र नहीं है । तो भी उन्हें काम पर जाना पडता है । भूख और गरीबी की वजह से ही वे अपने बचपन से वंचित रह जाते हैं । यह हमारे समय की एक विकराल समस्या है । अत: इसे सामान्य मानकर विवरण के रूप में प्रस्तुत करना और भी भयानक है । कवि की राय में इस बात को सवाल की तरह प्रस्तुत करना चाहिए कि हमारे कुछ बच्चे काम पर क्यों जा रहे हैं ? तभी लोगों का ध्यान इस तरफ आकर्षित हो जाएगा ।अत: वे आगे की पंक्तियों को सवाल के रूप में प्रस्तुत करते हैं ।

कवि पूछते हैं कि खेलने की उम्र में बच्चों को क्यों काम करना पडता है ? बच्चों की हालत देखकर कवि का मन आक्रोश से भरा हुआ है । तो कवि पूछते हैं कि बच्चों की सारी गेंदें अंतरिक्ष में गिर गईं है क्या ? और सारी रंग — बिरंगी किताबों को दीमकों ने खा लिया है क्या ? साथ — ही - साथ सारे खिलौने , काले पहाड के नीचे दब गए है क्या ? और सारे मदरसों की इमारतें किसी भूकंप में ढह गई हैं क्या ? यानी बच्चे अपनी हकदार चीजों से वंचित है ।

- क्या सारे मैदान ..... काम पर जा रहे हैं । का वाचन करें ।

आशय ग्रहण केलिए कुछ प्रश्न पूछें ।

जैसे

1. एकाएक क्या- क्या खत्म हो गए ?
2. असल में वे सब खत्म हो गए क्या ?
3. अगर ऐसा होता तो कितना भयानक होता - इधर भयानक क्या है ?
4. इससे भी ज्यादा भयानक स्थिति - यहाँ भयानक स्थिति क्या है ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करें ।**

जैसे

* मैदान , बगीचे, घर के आँगन
* नहीं
*कुछ भी बचा न होता ।
*बच्चों से काम करवाने की प्रथा

- **अध्यापिका कविता के दूसरे भाग की टिप्पणी लिखें ।**

जैसे

टिप्पणी

कवि कहते हैं कि बच्चे अपने मन बहलाने की चीजों से वंचित हो जाते हैं , चाहे मैदान हो, घरों के आँगन हो, बगीचे हो । इसलिए कवि पूछते हैं कि ये सारी चीज़े खत्म हो गई है क्या?अगर ऐसा है तो दुनिया मे फिर कुछ बचा ही क्या है ? यानी कुछ भी न रहेंगे । बच्चों से काम करवाना एक प्रथा के अनुसार चलता है , यह और भी भयानक है । अंतिम पंक्तियों में कवि यह कहना चाहते हैं कि बालश्रम के प्रति हमारा रवैया चाहे कुछ भी हो , यह एक सच्चाई है कि दुनिया भर के कई छोटे - छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

भूख या गरीबी के कारण बच्चों को काम करना पडता है । इस वक्त बच्चों को बिना कुछ परेशानी से जीना है । लेकिन ऐसे जीने नहीं देते । तो खिलौने और रंग — बिरंगी किताबों की दुनिया, कुछ बच्चों के ही नसीब में है । कवि हमारे समाज की इस असमानता पर दुखी है ।

अध्यापिका संबंध पहचानें और सही मिलान करें ।तालिका चार्ट पर पेश करें ।

जैसे

● बच्चे काम पर जा रहे हैं	- सारी रंग - बिरंगी किताबों को ।
● सब से भयानक पंक्ति	- काले पहाड के नीचे दब गए हैं क्या ?
● विवरण की तरह लिखा जाना चाहिए	- बच्चे काम पर जा रहे हैं ।
● सारी गेंदें	- किसी भूकंप में ढह गई है क्या ?
● दीपकों ने खा लिया है क्या ?	- काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?
● सारे खिलौने	- अंतरिक्ष में गिर गई है क्या ?
● सारे मदरसों की इमारतें	- कोहरे से ढँकी सडक पर ।
● एकाएक खत्म हो गए	- बच्चों से काम करवाने की प्रथा
● अगर ऐसा होता, कितना भयानक होता	- सारे मैदान, बगीचे, घर के आँगन ।
● यह इससे भी भयानक है ।	- कुछ भी बचा न होता ।

इसे सही मिलान करके लिखने को कहती हैं ।

जैसे

- कोहरे से ढँकी सडक पर।

- बच्चे काम पर जा रहे हैं ।
- काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?
- अंतरिक्ष में गिर गई है क्या ?
- सारी रंग — बिरंगी किताबों को ।
- काले पहाड के नीचे दब गए हैं क्या ?
- किसी भूकंप में ढह गई है क्या ?
- सारे मैदान , बगीचे, घर के आँगन ।
- कुछ भी बचा न होता।
- बच्चों से काम करवाने की प्रथा ।

- **अध्यापिका बालश्रम संबंधी कुछ बिंदुएँ पेश करती हैं ।**
  जैसे,

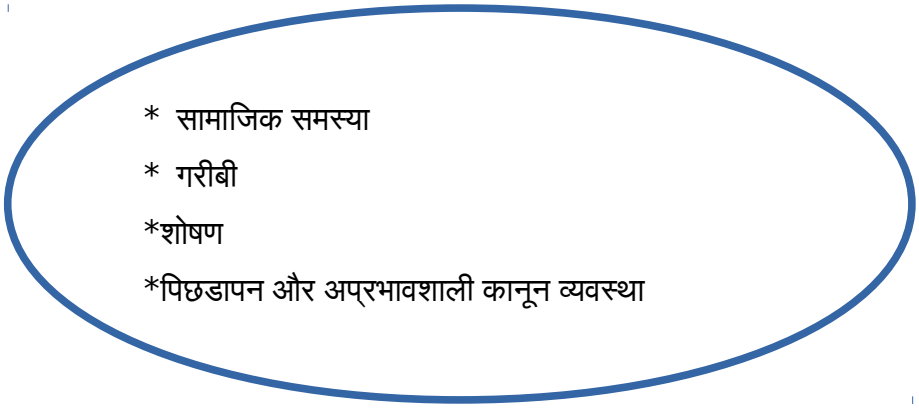

बिंदुओं को विकसित करके लेख लिखने का निर्देश देती हैं ।

जैसे,

<u>बालश्रम</u>

दुनिया भर में बालश्रम एक ज्वलंत समस्या है । वह ज्यादातर उभर कर आयी है । 5 से 14 साल तक के बच्चों को अपने बचपन से ही लगातार काम करना बालश्रम कहलाता है। विकासशील देशों में बच्चे जीने केलिए कम पैसों पर अपनी इच्छा के विरुद्ध, जाकर पूरे दिन कडी मेहनत करने केलिए मजबूर हैं । वे स्कूल जाना चाहते हैं , अपने दोस्तों के साथ खेलना चाहते हैं और दूसरे अमीर बच्चों की तरह अपने माता - पिता का प्यार पाना चाहते हैं । लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें अपनी हर इच्छाएँ सफल नहीं होती ।

माता - पिता को परिवार की ज़िम्मेदारी खुद से लेनी चाहिए । तथा अपने बच्चों को उनका बचपन, प्यार और अच्छे वातावरण के साथ जीने देना चाहिए, पूरी दुनिया में बालश्रम के मुख्य कारण, गरीबी, कम आय, बेरोज़गारी, खराब जीवन शैली , सामाजिक न्याय, स्कूलों की कमी, पिछड़ापन और अप्रभापशाली कानून व्यवस्था है जो देश के विकास को प्रत्यक्षत: प्रभावित कर रहा है ।

गुठली तो पराई है

अध्यापिका श्यामपट पर यह प्रस्तुत करती हैं ।

लड़का - लड़की
पहलु एक सिक्के
की

लड़की हो या लड़का
अनमोल रतन है
समाज का

- ये प्रश्न पूछती हैं ।
- ये नारे किससे संबंधित हैं ?
- इस प्रकार के भेदभाव हमारे समाज में है क्या ?
- क्या यह उचित है ?
- चर्चा चलाती हैं ।

जैसे

- लड़का - लड़की समाज के अभिन्न हिस्सा है ।
- हमारे समाज में कुछ लोग लड़कियाँ को कम महत्व देते हैं ।
- यह उचित नहीं है ।

- यूँ तो बड़ी बुआ ..... क्या वे भी उसके नहीं ?- का वाचन करते हैं ।

- **आशय ग्रहण केलिए कुछ प्रश्न पूछती है।**

जैसे,

? गुठली को क्या करना पसंद नहीं है ?
? गुठली को किनसे बातें करना पसंद नहीं है ?
? बुआ के अनुसार क्या - क्या उचित नहीं है ?
? गुठली को क्यों गुस्सा आ गया ?
? गुठली, गुस्से के साथ उदास भी होगई — क्यों ?

छात्र प्रतिक्रिया।

जैसे

* बुआ से बातें करना
* बुआ से
* पट – पट बोलना , धम – धम चलना ।
* पराया और किसी और की अमानत कहने पर।
* माँ को बुआ का साथ देने पर ।

- **पाठभाग के आधार पर पटकथा तैयार करने को कहती है ।**

जैसे,

एक छोटा -सा देहाती घर । शाम का समय । घर के अंदर घरवाली काम कर रही है । घर के सामने बुआ और गुठली बैठी हैं । आँगन में थोडा- सा अंधेरा और सूरज तो डूबनेवाला है।

पात्र

- गुठली - 14 साल की, गौर वर्ण , देहाती कपड़ा पहनी है , उदासीन चेहरा ।
- माँ - 35 साल की, श्यामवर्ण, साड़ी और ब्लाऊस पहनी है ।
- बुआ - 45 साल की, श्यामवर्ण, सफेद साड़ी पहनी है ।चेहरे पर गंभीरता
- ताई - 55 साल की, श्यामवर्ण, देहाती कपड़ा पहनी है ।चेहरे पर शाँतता ।

गुठली जल्दी से अपने घर के आँगन में इधर -उधर तेज़ी से चलकर अपनी माँ को जोर से बुलाती है । ये बातें बुआ सुन जाती है और उसका हाव — भाव बदलती है । और वे गुस्से से बोल उठती है ।

बुआ - अरी, री , छोकरी क्यों चिल्लाती है ?
गुठली - माँ को बुलाती हूँ और क्या ?
बुआ - बुलाओ जी, बुलाओ, लेकिन इतनी आवाज से नहीं ? तू लडकी है ।
गुठली - तो क्या है ? बुआ जी , माँ सुनती नहीं । इसलिए चिल्लाती ।
बुआ - सुन लो बेटी, लडकियाँ तो धीमे से बोलना और धम — धम मत चलना, समझी ?
गुठली - यह अपना घर है न ? इस में क्या गलती है ? बताइए ।

बुआ - गलती है , यह अपना घर नहीं पराया है ।
गुठली - (गुठली के चेहरे का हाव — भाव बदल जाता है और चोहरा लाल हो जाता है ।) ऐसा कैसा होगा ? मैं तो यहाँ का हूँ ।
बुआ - (अपने साथ बिठाके सिर पर हाथ फेरकर कहती है) शादी के बाद ससुराल तेरा घर है ।मैं भी इस घर की थी और मैं परायी बन गई, शादी के बाद समझी ?
गुठली - (बुआ के हाथ छुडवाती और गुस्से से) मैं नहीं मानती । यह झूठ है । (फिर आँगन में पेड के नीचे बैठ जाती है ।)
बुआ - (बुआ हँसती है और गुठली को देखती रहती है ।) पगली, कुछ नहीं जानती ।

- **इतने में माँ ..... मान गई - का वाचन करें ।**

- **अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न पूछती हैं।**

जैसे,

? माँ किसे ढूँढ करके आयी ?
? माँ ने क्या किया ?
? माँ की बातों में गुठली को क्या हुआ ?
? गुठली को क्या याद आ गई ?
? शादी कब हुई थी ?
? घर किनसे भरा था ?
? क्या छपके आये ?
? गुठली के हाथ में कार्ड कब आ गया ?
? गुठली का मुँह उतर जाने का कारण क्या था ?
? गुठली ने शिकायत किससे की ?
? ताऊजी , गुठली से क्या बोली ?
? कार्ड में किसका नाम था ?
? किसने गुठली का नाम कार्ड पर लिखा ?

छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।

जैसे

- गुठली को ।
- गले लगाया ।
- हताश हो गया ।
- दीदी की शादी ।

- पिछले साल
- मेहमान, चचेरे - ममेरे, भाई- बहन ।
- शादी के कार्ड
- पूजा - पाठ के बाद ।
- कार्ड में अपना नाम नहीं था।
- ताऊजी से ।
- छोकरियों के नाम कार्ड पर नहीं छपते ।
- छोटे बेटे का
- माँ ने

"गुठली की दीदी का शादी - कार्ड छपवाके लाये । लेकिन गुठली का नाम उसमें नहीं था । दूसरों का नाम था। इस बात पर गुठली को बहुत दुख हुआ।" उस दिन की गुठली की डायरी कल्पना करके लिखें ।

जौसे,

सोमवार , 17 मार्च 2016

आज का दिन कैसा था । भूल नही सकती । नाखुशी का दिन था। दीदी का शादी - कार्ड आ गया । क्या उत्साह था ! कार्ड हाथ में ले लिया । सभी खुशी खत्म । कार्ड में अपना नाम नहीं । रुआँ - सी हो गयी ,मैं । कितनी देर तक हताशा से बैठ गई, पता नहीं । स्नेहमयी ताऊजी से भी बातें की मैंने । वहाँ से भी राहत न मिली । मुझे तो परायी - सी लग गई । छोटे बच्चे का नाम भी कार्ड पर ..... । अपना नाम नहीं । क्यों , कोई भी मुझे नहीं मानती ? आज तो खुशी के ऊपर दुख का बादल छा गया ।

- "पर अब तो ..... स्कूल केलिए चल दी" - का वाचन करती हैं ।
- **अधयापिका निम्नलिखित प्रश्न पूछती हैं ।**

जैसे ,

- यहाँ चुप नहीं रहनेवाली कौन थी ?
- शादी के बाद दीदी की आदत में क्या परिवर्तन हुआ ?
- दीदी अपने भाई को क्या बुलाती थी ?
- शादी हुई भइया भी क्या करता है ?
- दीदी को अब भी भइया क्या बुलाता है ?

- गुठली सुबह उठकर क्या करती है ?
- गुठली भी अभी भइया को क्या बुलाती है ?
- ताऊजी नें गुठली से क्या कहा ?
- ताऊजी नें किसकी तरफ देखा ?

- **छात्र प्रतिक्रिया करते हैं ।**

* गुठली
* दीदी की
* पढना, गानें गाना, चित्र बनाना, मस्ती करना, खूबहँसना
* एकदम बदला चुकी ।
* नकटू
* क्रिकेट खेलता है ।
* चूहिया
* स्कूल केलिए तैयारी करती,
* नकटू
* अपनें को चाय देनें
* गुठली की तरफ

शादी के बाद गुठली की दीदी एकदम बदल चुकी थी । इस बात को लेकर पुठली अपनी सहेली समीरा को पत्र लिखती है । वह पत्र कल्पना करके लिखें ।

जैसे,

सोनाली
17-03-16

प्रिय मित्र समीरा,

तुम कैसी हो ? मैं यहाँ कुशल से हूँ । तीन दिनों से मैं स्कूल नहीं आयी । तुम तो आती हो न ? तुम्हारी पढाई कैसी ? तुम्हे पता है न, मेरी दीदी की शादी , पिछले महीने में हुई। मुझे तुमसे कुछ खास बात बतानी है।

दीदी तो अपने ससुराल से परसों आई । यह जानके मैंने पहले ही छुट्टी ले ली । क्योंकि दीदी से बातें करने से बहुत दिन हो गये । दीदी की बोली कितनी मीठी थी। लेकिन समीरा , अपनी दीदी एकदम बदल चुकी है । न मस्तीखोर, न बातूनी । पहले ऐसा नहीं था । वह घर में आके एक कोने में सिमटकर बैठती है । दीदी की हालत देखकर रुलाई आई । बताओ न , तुम्हारी दीदी की हालत भी इस तरह की थी ।

माँ - बाप से मेरा नमस्कार

तुम्हारी सहेली
गुठली
(ह)

सेवा में
समीरा
समीरा हाऊस
सोनाली
पूने

- **अध्यापिका संबंध पहचाने और सही मिलान करें ।**

- गुठली को कुछ खास पसंद नहीं - तू भी किसी और की अमानत
- बुआ जी को क्या अच्छा नही लगता - बुआ जी से बाते करना ।
- बुआ जी की नसीहतें - धम -धम चलना ।
- माँ ढूँढकर आ पहूँची - कार्ड में अपना नाम नहीं ।
- माँ गले लगाकर बोली - मेहमानों से भरे घर में खुशी थी ।
- गुठली की दीदी की - कल की बात पर क्यों आज परेशान ?
  शादी पिछले साल हुई -
- गुठली का मुँह उतर गया - उदासी गुठली को गले लगाया ।

छात्र संबंध पहचानकर सही मिलान करके लिखते हैं ।

जैसे,

- बुआ जी से बातें करना ।
- धम- धम चलना ।
- तू भी किसी और की अमानत ।
- उदासी, गुठली को गले लगाया ।
- कल की बातों पर आज क्यों परेशान ।
- मेहमानों से भरे घर में खुशी थी ।
- कार्ड पर अपना नाम नहीं था ।

- **अभ्यास केलिए प्रश्न**
  विश्लेषणात्मक

1. ऐसा मत करो, ऐसे पट- पट मत बोलो, ऐसे धम- धम मत चलो ..... । बुआ की बातों पर आप की राय क्या है ?स्पष्ट करें ।
2. "अरी बेवकूफ, यह घर तो पराया है। बाकी लडकियाँ की तरह तू भी किसी और की अमानत है" । बुआ से ये बातें गुठली सुनती है । अगर गुठली के स्थान पर आप है तो क्या प्रतिक्रिया होगी । अपना मत प्रकट करें ।
3. लडकी का नाम , शादी - कार्ड में छपवाता नहीं । यह कार्य उचित है या नहीं ? अपना मत प्रकट करें ।
4. देखो, भाई साहब, आप कुल दीपक हो, यह घर , यह बगीचा और यह नानू सब आप का ही है, तो बेहतर होगा आप ही इन सबकी देखभाल करो ..... । यह गुठली की प्रतिक्रिया है । इसमें आप का विचार व्यक्त करें ।

- **चरित्रगत विशेषताएँ**

  1. गुठली की चरित्रगत विशेषताएँ लिखें ।
  2. बुआ की चरित्रगत विशेषताएँ लिखें ।
  3.गुठली की माँ की चरित्रगत विशेषताएँ लिखें ।
  4. ताऊ की चरित्रगत विशेषताएँ लिखें ।

- **वार्तालाप कल्पना करके लिखें ।**

1. बुआ जी गुठली को नसीहतें देते हैं । ये गुठली को अच्छा नहीं लगती । तो बुआ और गुठली के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें ।
2. गुठली की दीदी की शादी होनेवाली है और शादी - कार्ड छपवाके लाते हैं । लेकिन गुठली का नाम उसमें नहीं हैं । इस बात को लेकर गुठली और ताऊजी के बीच का वार्तालाप चलता है ।वह वार्तालाप तैयार करें।